■ भाद्रपद शुक्ल - 15 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 45 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 07-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जीएसटी में बदलाव लोगों के लिए 'सुधार', हर परिवार को होगा लाभ : सीतारमण

6 मेजर त्रिपतप्रीत सिंह: भारत मां के सैनिक की शहादत का लिया बदला, आतंकी को उसके अड्डे में भून डाला

7 'सेना प्रमुख मुनीर अपनी सत्ता मजबूत करने के लिए अत्याचार का ले रहे सहारा'

फर्स्ट टेक

इंडिगो के अबू धाबी जा रहे विमान में तकनीकी खराबी, वापस कोच्चि लौटा

नई दिल्ली/भाषा। इंडिगो का कोच्चि से अबू धाबी जा रहा विमान शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण वापस कोच्चि लौट आया। इंडिगो ने एक बयान में बताया कि उड़ान संख्या 6ई 1403 ने छह सितंबर को कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अबू धाबी के लिए उड़ान भरी थी। रास्ते में तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद पायलट ने सतर्कता बरतते हुये विमान को वापस कोच्चि की तरफ मोड़ दिया। कोच्चि हवाई अड्डे पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई। विमान को जरूरी जांच के लिए उड़ान भरने से रोक दिया गया है। यात्रियों को दूसरे विमान से अबू धाबी भेजा गया। इंडिगो के एक प्रवक्ता ने यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताया है और सुरक्षा के प्रति एयरलाइंस की प्रतिबद्धता दर्शायी है।

नक्सल विरोधी अभियान: छत्तीसगढ़ में 30 नए अड्डे खोले जाएंगे

नई दिल्ली/भाषा। सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ में 30 से ज़्यादा नए अग्रिम अड्डे बनाएंगे और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) व उसकी कोबरा बटालियन की विशेष इकाइयां अंदरूनी इलाकों में और आगे बढ़कर बड़े माओवादी नेताओं को निशाना बनाएंगी। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि यह मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने की समय सीमा को पूरा करने के लिए तैयार की गई नई योजना का हिस्सा है। राज्य की राजधानी रायपुर में शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक हुई जिसमें केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन डेका, सीआरपीएफ के महानिदेशक (डीजी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण देव गौतम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधान न्यायाधीश गवई भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी पहुंचे

काठमांडू/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई शनिवार को भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी पहुंचे। न्यायमूर्ति गवई इस समय चार दिन की नेपाल यात्रा पर हैं। लुंबिनी पहुंचने पर उनका स्वागत लुंबिनी डेवलपमेंट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ल्हारक्याल लामा ने किया। लुंबिनी में उन्होंने मायादेवी मंदिर परिसर का दौरा किया और वहां मंत्रों का जप भी किया। भारतीय दूतावास के सूत्रों के मुताबिक, न्यायमूर्ति गवई ने वहां दीप जलाकर विश्व शांति, मानव कल्याण और भारत-नेपाल के बीच गहरे मैत्रीपूर्ण संबंधों की कामना की।

सूर्यास्त 07-09-2025 6:26 बजे | सूर्योदय 08-09-2025 6:08 बजे

BSE	NSE
80,710.76	24,741.00
(-7.25)	(+6.70)

सोना	चांदी
11,081 रु.	127,055 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सच्ची बात

जरूरी है सही मकसद,
सदा इज़हार के पीछे।
सही हो फैसला हरदम,
चटक मनुहार के पीछे।
भले ही और हो मतलब,
गज़ब सत्कार के पीछे।
मगर सच छुप नहीं सकता,
किसी दीवार के पीछे।।

विसर्जन

मुंबई में शनिवार को 10 दिवसीय गणपति उत्सव के अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी पर बारिश के बावजूद लोग भगवान गणेश की मूर्तियों के विसर्जन के लिए ढोल-ताशे बजाते और गुलाल उड़ाते हुए सड़कों पर उमड़ पड़े। मूर्तियां शहर के समुद्र तटों और अन्य जल निकायों की ओर ले जाते समय बड़ी संख्या में लोग भव्य समापन समारोह के दौरान बप्पा की एक झलक पाने के लिए सड़क के डिवाइडरों, इमारतों की छतों, बालकनियों, पेड़ों और खंभों पर बैठे देखे गए। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अनुसार सार्वजनिक मंडलों की 11 मूर्तियों समेत 405 गणेश मूर्तियों को दोपहर 12 बजे तक नगर निकाय द्वारा बनाए गए प्राकृतिक जलाशयों और कृत्रिम तालाबों में विसर्जित कर दिया गया।

भारत और अमेरिका के बीच बहुत सकारात्मक रणनीतिक साझेदारी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत-अमेरिका संबंधों के बारे में ट्रंप की सकारात्मक राय का समर्थन करता हूं : मोदी

■ भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों के सकारात्मक आकलन के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना करते हैं। इससे पहले ट्रंप ने दोनों देशों के विशेष संबंध की सराहना की थी, जिसे दोनों देशों के रिश्तों में आए तनाव को खत्म करने के प्रयास के तौर पर देखा गया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह हमेशा मोदी के मित्र रहेंगे, लेकिन मोदी इस समय जो कर रहे हैं, वह उन्हें पसंद नहीं आया। ट्रंप ने हालांकि विस्तार से नहीं बताया कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं।

मोदी ने कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक राय की सराहना करते हैं और उसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच बहुत सकारात्मक, दूरदर्शी, व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। दोनों नेताओं ने 17 जून को फोन पर हुई बातचीत के बाद पहली बार एक दूसरे के बारे में बयान दिए हैं। भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर लगाया गया था। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित और विवेकहीन बताया था। इससे पहले, भारत के साथ संबंधों को पुनः स्थापित करने की संभावना के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष संबंध हैं और चिंता की कोई बात नहीं है।

मैं हमेशा (नरेन्द्र) मोदी का मित्र रहूंगा : ट्रंप

ट्रंप ने कहा, मैं हमेशा (नरेन्द्र) मोदी का मित्र रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। लेकिन वह इस समय जो कर रहे हैं, मुझे पसंद नहीं है। उन्होंने ओवल ऑफिस में कहा, भारत और अमेरिका के बीच विशेष संबंध हैं। चिंता की कोई बात नहीं है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार कहा था कि अमेरिका भारत को चीन के हाथों खो रहा है। इस पोस्ट के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मुझे नहीं लगता कि ऐसा हुआ है। मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि भारत रूस से इतना तेल खरीद रहा है। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें बताया कि हमने भारत पर बहुत बड़ा शुल्क लगाया है - 50 प्रतिशत शुल्क, बहुत ज्यादा सुल्क। जैसा कि आप जानते हैं, मोदी के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं, वह कुछ महीने पहले यहां आए थे।

जीएसटी में बदलाव लोगों के लिए 'सुधार' : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि जीएसटी में 'व्यापक बदलाव लोगों के लिए सुधार है' और इस कदम से देश की 140 करोड़ आबादी पर सकारात्मक असर होगा। सीतारमण ने पीटीआई-भाषा को दिये साक्षात्कार में यह भी कहा कि हम दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को देने के लिए उद्योगों से बातचीत कर रहे हैं और 22 सितंबर से (जीएसटी दरों में कटौती के लागू होने की तिथि) हमारा पूरा ध्यान इसी पर होगा कि लोगों का इसका लाभ मिले।

केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों की भागीदारी वाली जीएसटी परिषद ने बुधवार को जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी। दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के तहत टेलीविजन एवं एयर कंडीशनर जैसे उपभोक्ता वस्तुओं के अलावा खानपान और रोजमर्रा के कई सामानों पर दरें कम की गयी हैं।

सीतारमण ने कहा, ''जीएसटी में व्यापक बदलाव लोगों के लिए सुधार है और इस कदम से देश के 140 करोड़ लोगों पर सकारात्मक असर होगा। गरीब से गरीब लोगों पर कुछ-न-कुछ इसका सकारात्मक असर होगा।'' उन्होंने यह भी कहा, ''यह केवल दर में कटौती का मामला नहीं है बल्कि कंपनियों के लिए भी चीजें आसान होंगी। चाहे रिफंड का मामला हो या फिर अनुपालन का या पंजीकरण का, उनके लिए चीजें और सुगम होंगी।''

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से बात की

नई दिल्ली/भाषा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ फोन पर बातचीत के बाद कहा कि यूक्रेन में न्यायसंगत और स्थायी शांति हासिल करने के लिए भारत और फ्रांस समान दृढ़ संकल्प रखते हैं। बातचीत के बाद मोदी ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए नयी दिल्ली के निरंतर समर्थन को दोहराया। साथ ही दोनों नेताओं ने भारत-फ्रांस संबंधों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदमों का ''सकारात्मक'' मूल्यांकन किया। मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी। दोनों नेताओं ने यूक्रेन संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के लिए जारी प्रयासों पर विचार-विमर्श किया तथा प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के आह्वान को दोहराया। पिछले महीने व्हाइट हाउस में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन के अपने समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ वार्ता के दौरान उपस्थित यूरोपीय नेताओं में मैक्रों भी शामिल थे।

कानून का शासन लागू करना न्यायालयों का कर्तव्य : न्यायमूर्ति नागरत्ना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बी वी नागरत्ना ने शनिवार को कहा कि यदि कानून के शासन को लोकतंत्र के सार के रूप में संरक्षित रखना है, तो अदालतों का कर्तव्य है कि वे इसे बिना किसी भय या पक्षपात के लागू करें।

यहां राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने इस बात पर जोर दिया कि कानून केवल नियमों के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के संबंध में है कि प्रत्येक व्यक्ति - धन, स्थिति, जाति, लिंग या आस्था की परवाह किए बिना - कानून के समक्ष एक समान विषय के रूप में माना जाए।

उन्होंने कहा कि कानूनी पेशा बदलाव का एक माध्यम है, विशेष रूप से भारतीय समाज में ''जहां गहरी असमानताएं बनी हुई हैं''।

उन्होंने कहा, ''एक लोकतंत्र में, जहां कानून का शासन उसका सार है, उसे संरक्षित और लागू किया जाना चाहिए, विशेष रूप से न्यायालयों द्वारा। यदि कानून के शासन को लोकतंत्र के सार के रूप में संरक्षित किया जाना है, तो न्यायालयों का यह कर्तव्य है कि वे उसे बिना किसी भय या पक्षपात, स्नेह या द्वेष के लागू करें।''

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''कानून का शासन सुशासन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है, क्योंकि भारत में एक स्वतंत्र न्यायपालिका है, जो अन्य बातों के अलावा, एक स्वतंत्र बार के समर्थन और सहायता के कारण कायम है।''

उन्होंने कहा कि संविधान को उसकी पूरी उदारता और अच्छे इरादों के साथ लागू करने की जिम्मेदारी केवल सत्ता के गलियारों में बैठे लोगों की ही नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदारी प्रत्येक वकील की है, जिसे संविधान का समर्थक होना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''अक्सर, कानून को एक ऐसे किले के रूप में देखा जाता है जिस तक केवल ताकतवर लोग ही पहुंच सकते हैं। लेकिन आपके हाथों में, इसे एक सेतु बनना होगा - अधिकारों और उपायों के बीच, संविधान और नागरिकों के बीच, न्याय और जनता के बीच एक सेतु।''

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''याद रखें, कानून सभी का है, लेकिन हर कोई इसका उपयोग नहीं कर सकता। आप वह अंतर पैदा कर सकते हैं जो यह सुनिश्चित करता है कि इस पहुंच से वंचित न रहा जाए।''

युवा विधि छात्रों को सलाह देते हुए न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि संविधान के संरक्षक के रूप में भारत की सही दिशा में प्रगति तभी सुनिश्चित हो सकती है जब वकील वाणिज्य की स्थिति को सुगम बनाएं, समुदाय में विश्वास निर्माण को सक्षम बनाएं और संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए नागरिक ढांचे के निर्माण में अपनी उचित भूमिका निभाएं।

चीन पर 7-0 की जीत के साथ भारत एशिया कप हॉकी के फाइनल में पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर/भाषा। स्ट्राइकर अभिषेक के दो गोल की बदौलत भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां सुपर चार के आखिरी मैच में चीन को 7-0 से हराकर एशिया कप टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

अभिषेक ने मैच के 46वें और 50वें मिनट में गोल दागे। उनसे पहले इस एकतरफा मुकाबले में शिलानंद लाकड़ा (चौथे मिनट), दिलप्रीत सिंह (सातवें), मनदीप सिंह (18वें), राजकुमार पाल (37वें) और सुखजीत सिंह (39वें) के गोल ने टीम की बड़ी जीत पक्की कर दी।

रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में भारत के सामने मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया की चुनौती होगी।

इस जीत के साथ भारत सुपर चार लीग तालिका में सात अंकों के साथ शीर्ष पर रहा जबकि दक्षिण कोरिया चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। चीन और मलेशिया दोनों तीन-तीन अंकों के साथ उनसे पीछे रहे।

इससे पहले भारत ने सुपर चार चरण के अपने शुरुआती दो मैचों में पांच बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था और मलेशिया को 4-1 से हराया था।

इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट की विजेता टीम को अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड द्वारा संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। भारत ऐसे में विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से बस एक कदम दूर है।

कोरिया ने दिन के एक अन्य मैच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मलेशिया को 4-3 से हराया।

चीन अब रविवार को तीसरे-चौथे स्थान के लिए मलेशिया से खेलेगा।

भारतीय खिलाड़ी चीन के खिलाफ पूरी तरह से हावी रहे और यह मुकाबला ज्यादातर चीन के हाफ में ही खेला गया।

मैच में भारतीय रक्षापंक्ति को भी कोई चुनौती नहीं मिली क्योंकि चीन के खिलाड़ी भारत के सर्कल में घुसने संघर्ष करते रहे। भारत ने मैच में एक भी पेनल्टी कॉर्नर नहीं दिया।

भारतीय किसानों की कीमत पर अमेरिका के साथ कृषि आयात पर कोई समझौता नहीं : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि भारतीय किसानों के हितों की कीमत पर अमेरिका के साथ कृषि उत्पादों के आयात को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। इस वृद्धि में भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है।

जब उनसे एक संवाददाता सम्मेलन में पूछा गया कि क्या अमेरिकी कृषि उपज पर आयात शुल्क में थोड़ी रियायत देकर भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने की कोई गुंजाइश है, तो उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने कहा है कि किसानों के हितों की कीमत पर कोई समझौता नहीं होगा। उनके हितों की रक्षा की जाएगी।''

विपक्ष के इस आरोप पर कि ट्रंप द्वारा शुल्क लगाए जाने के कारण ही जीएसटी संरचना में बदलाव किए गए हैं, उन्होंने कहा, ''भारत में होने वाले हर अच्छे काम के पीछे वे ट्रंप को देखते हैं... प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को दिखाया है कि उनके लिए देश का हित सर्वोपरि है और इस पर कोई समझौता नहीं होगा।''

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, ''हमारे किसानों, मुर्गी पालकों, मछुआरों और गरीबों के हितों की रक्षा की जाएगी। भारत अपने फैसले खुद लेता है।''

आरएसएस के 27 स्वयंसेवकों पर मामला दर्ज

कोल्लम (केरल)/भाषा। ओणम उत्सव के दौरान कोल्लम जिले के एक मंदिर में पुष्पों की रंगोली बनाने के आरोप में आरएसएस के 27 स्वयंसेवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंदिर समिति द्वारा इसे केरल उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन बताए जाने के बाद इस संबंध में एक मामला दर्ज किया गया।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के अद्वितीय पराक्रम का एक शानदार उदाहरण है : वायुसेना प्रमुख ए पी सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के अद्वितीय पराक्रम का एक शानदार उदाहरण है और भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन पर त्वरित, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने यहां अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी की 'पासिंग आउट परेड' की समीक्षा के बाद कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने तीनों सेनाओं के बीच विशिष्ट समन्वय, सशस्त्र बलों और अन्य एजेंसियों के साथ तालमेल और एकीकरण को प्रदर्शित किया। कुल 130 अधिकारी कैडेट और 25 महिला अधिकारी कैडेट को भारतीय सेना के विभिन्न अंगों और सेवाओं में कमीशन दिया गया, जबकि नौ मित्र देशों की 12 महिला विदेशी अधिकारी कैडेट ने भी सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार सौहार्द और सहयोग को बढ़ावा मिला। इस मौके पर सिंह ने कहा, ''जब हम भविष्य की ओर देखते हैं, तो दो बातें निश्चित हैं - युद्ध का तेजी से बदलता स्वरूप और सैन्य शक्ति की बढ़ती प्रासंगिकता।''

माया-कपट का बुरा अंत, सरलता है श्रेष्ठ गुण : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शनिवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सरलता मनुष्य के जीवन का महान् गुण है। यह स्वभाव की श्रेष्ठ उपलब्धि है। आज संसार और समाज में चारों ओर माया-कपट का बोलबाला है। फिर भी वे विरले होते हैं, जिनके हृदय में सरलता होती है। सरल मनुष्य सभी जगह सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हैं। मायावी पर कोई विश्वास नहीं करता। धर्म की उपासना माया छोड़कर सरलता को प्राप्त करने के लिए होती है। सरल व्यक्ति के लिए सबके दरवाजे हमेशा खुले होते हैं। यह गुण मनुष्य की अनुपस्थिति में भी सदैव उसकी याद दिलाता है। सरल हृदय में ही दैविक शक्तियों और विद्याओं का निवास हो सकता है। माया-कपट की विद्या कला तो है, पर मनुष्य को सभी से दूर कर देती है। कुटिल व्यक्ति तिरस्कार की नज़र से देखा जाता है। माया-कपट के रास्ते पर चलकर अगर कभी सफलता मिल भी जाती है तो पुण्य के इस खेल पर बहुत इतराने जैसा नहीं है। देर-सबेर झूठी सफलताओं का पाखंड सबके सामने खुला हो सकता है। सरलता भयरहित, सन्देहमुक्त, विश्वसनीय और सुख-शांतिदायी है। मनुष्य को सदैव सरल होने का प्रयत्न करना चाहिए। सभी धर्मोपदेशों का यही सार है। सरल मनुष्य के घर कभी भगवान भी पधार सकते हैं। मायावी अपने चातुर्य और बुद्धिमानी पर कितना ही गर्व करे, दैविक तत्वों का निवास ऐसे लोगों के पास नहीं होता। हजारों वर्षों का इतिहास साक्षी हैं कि माया-कपट करने वालों का हमेशा दुःखद अंत हुआ।

जैनाचार्य ने कहा कि पृथ्वी पर सबसे अच्छा जीवन मनुष्य का है और वह किसी का बुरा करने के लिए नहीं मिला है। सत्ताओं को प्राप्त करने या सफल होने के लिए खेले जाते राजनीतिक और कुटिनीतिक दांवपेचों का भी कोई भविष्य नहीं है। बड़ी-बड़ी सल्तनतें और हस्तियां कहां दफन हो गई, पता तक नहीं चला। चर्चिल, मार्क्स, लेनिन, माओ, जिन्ना, हिटलर, स्तालिन, मुसोलिनी जैसे शक्तिशाली लोगों का नामोनिशां नहीं बचा, जिनसे कभी करोड़ों-करोड़ों लोग डरते थे। हमें सदैव यह याद रखना चाहिए कि ज्ञान, धन और सत्ता की शक्तियां लोगों की भलाई में लगनी चाहिये। मनुष्य की उपलब्धियों की सार्थकता इसी में है। माया-कपट इंसान को शांति से जीने नहीं देते। दूसरों के लिए गड्ढे खोदते-खोदते जिंदगी समाप्त हो जाती है। एक दिन ऐसा आता है कि खोदने वाला ही गड्ढे में गिर जाता है। महाराष्ट्र के इचलकरंजी से राजस्थान जैन संघ के पदाधिकारियों ने यहां उपस्थित होकर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी से आगामी वर्ष 2026 के वर्षावास के लिए आग्रहपूर्ण निवेदन किया। संघ के कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने बताया कि गणि पद्मविमलसागर के मार्गदर्शन में दोपहर को बाल संस्कार शिविर का भव्य आयोजन हुआ।

छतरपुर में मारवाड़ी समुदाय का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने शनिवार को कहा की संगठन मारवाड़ी समुदाय के सामान्य परिवारों के 450 मेधावी बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है और आने वाले दिनों में इस योजना का विस्तार किया जाएगा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत यहां नई दिल्ली के छतरपुर स्थित अध्यात्म साधना केन्द्र में हुई, जिसमें निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने पवन कुमार गोयनका को सम्मेलन का कार्यभार सौंपा। गोयनका ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय लाखों लोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से संगठन से जुड़े हुए हैं और अगले दो वर्ष में एक लाख के करीब लोगों को इससे जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन मारवाड़ी समुदाय की प्रगति, विकास और उन्नति के लिए कटिबद्ध है और इस सिलसिले में अनेक कार्यक्रम शुरू किये गए हैं।

गोयनका ने कहा की राष्ट्रीय राजधानी में देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले मारवाड़ी समुदाय के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं, चिकित्सा, साक्षात्कार आदि के लिए आवासीय सुविधा प्रदान करने के लिए युवा मारवाड़ी संगठन द्वारा शाहदरा में 4000 वर्ग मीटर क्षेत्र में युवा भवन बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि लगभग 40 करोड़ रुपये लागत से बनाये जाने बाले इस भवन में छात्रावास, इंडोर गेम्स, जिम, लाइब्रेरी आदि की सुविधा उपलब्ध होगी और यह भवन अगले दो साल में बन कर तैयार होगा।

नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मारवाड़ी समुदाय के सामान्य परिवारों के मेधावी बच्चों को उच्च शिक्षा सुविधा प्रदान करने के लिए छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई है, जिसके अन्तर्गत लगभग पांच करोड़ रुपये खर्च कर 450 बच्चों को यह सुविधा प्रदान की जा चुकी है। आने वाले दिनों में इस योजना का विस्तार किया जाएगा।

गोयनका ने बताया की दिल्ली के विश्विद्यालयों में दाखिला पाने वाले 50 विद्यार्थियों को किफायती दरों पर आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने मनिपाल हॉस्पिटल समूह के साथ सहयोग से 35 चिकित्सा संस्थानों में मारवाड़ी समुदाय के लोगों को रियायती दरों पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये अनुबंध किया है।

कर्नाटक सरकार का 60 आपराधिक मुकदमों को वापस लेने का फैसला लोगों को चिंतित करने वाला : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने विरोध प्रदर्शन के दौरान पथराव के मामलों सहित विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज 60 आपराधिक मामलों को वापस लेने के राज्य सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए शनिवार को कहा कि इस कदम से नागरिक समाज अधिक चिंतित है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से यह संदेश जा रहा है कि राज्य में अराजकता प्राथमिकता है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को जिन 60 मामलों को वापस लेने का फैसला किया, उनमें चित्तापुर में 2019 में हुई पथराव की घटना में कथित रूप से शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज मामला और उसी वर्ष प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी के बाद उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के कथित समर्थकों पर पथराव का मामला शामिल है।

विजयेंद्र ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से कानून-व्यवस्था को कमजोर करने की लगातार कोशिश की जा रही है। असामाजिक तत्व के हौसले इतने बढ़ गए हैं कि पुलिस व्यवस्था ही हिल गई है...हत्या, बलात्कार और डकैती की घटनाएं लगातार हो रही हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ''कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज मामलों को इसमें (वापस लिए जाने वाले मामलों की सूची में) शामिल करना भाई-भतीजावाद है। सरकार की यह कार्रवाई बेशर्मी की पराकाष्ठा है।'' विजयेंद्र ने कहा, ''इस कदम से नागरिक समाज और भी चिंतित हो गया है...कांग्रेस सरकार द्वारा उठाए गए कदम यह संदेश दे रहे हैं कि राज्य में अराजकता मेरी प्राथमिकता है।''

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को राज्य सरकार के कई आपराधिक मामलों को वापस लेने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि सरकार ने भाजपा, कांग्रेस और विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं से जुड़े मामलों को वापस ले लिया है।

हजरतबल में अशोक स्तंभ पर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न केवल सरकारी समारोहों के लिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनंतनाग/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को श्रीनगर की हजरतबल मस्जिद में वक्फ बोर्ड द्वारा नवीनीकृत पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न के इस्तेमाल की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह प्रतीक चिह्न सरकारी समारोहों के लिए है, धार्मिक संस्थानों के लिए नहीं।

दक्षिण कश्मीर में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड को इस 'गलती' के लिए माफी मांगनी चाहिए, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। उनका यह बयान उस बड़े विवाद के बाद आया है जिसके तहत शुक्रवार की नमाज के बाद हजरतबल मस्जिद में लगाई गई अशोक चिह्न वाली पट्टिका को कुछ अज्ञात लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था।

पुलिस ने शनिवार को इस घटना के सिलसिले में अज्ञात लोगों के खिलाफ शांति भंग करने, दंगा और आपराधिक साजिश के आरोप में मामला दर्ज किया। बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के दौरान पत्रकारों से अब्दुल्ला ने कहा, सबसे पहला सवाल तो यह है कि क्या इस पत्थर पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न लगाना चाहिए या नहीं। मैंने कभी किसी धार्मिक स्थल पर इस तरह से प्रतीक चिह्न का इस्तेमाल नहीं देखा। उन्होंने कहा कि मस्जिदें, मस्जिदें, मंदिर और गुरुद्वारे सरकारी संस्थाएं नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि ये धार्मिक संस्थाएं हैं और धार्मिक संस्थाओं में सरकारी प्रतीक चिह्न का इस्तेमाल नहीं किया जाता। विवाद तब और बढ़ गया जब जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी ने ने प्रतीक चिह्न हटाने वाले 'गुंडों' के खिलाफ सख्त जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए)के तहत कानूनी कार्रवाई की मांग की।

अब्दुल्ला ने अंद्राबी के इस बयान की निंदा की और कहा कि बोर्ड ने लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया और अब वे धमकी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, सबसे पहले तो उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए थी। उन्हें अपनी गलती मान लेनी चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए था।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस पट्टिका की जरूरत पर भी सवाल उठाया और कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने इस मस्जिद का काम पूरा कराया, लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई श्रेय नहीं लिया।

उन्होंने कहा कि देश में किसी भी धार्मिक स्थल पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न का इस्तेमाल नहीं किया जाता। उन्होंने कहा, गूगल पर सर्च करके देखें, आपको पता चलेगा कि राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न का इस्तेमाल सिर्फ सरकारी कार्यक्रमों में होता है।

इस घटना में भारतीय न्याय संहिता की धारा 300 (धार्मिक अनुष्ठान करते समय जानबूझकर बाधा डालना), 352 (शांति भंग करने या अन्य अपराध को भड़काने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना), 191 (2) (दंगा), 324 (किसी व्यक्ति या जनता को नुकसान पहुंचाना) और 61 (4) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शुक्रवार की घटना की राजनीतिक नेताओं और आम जनता ने कड़ी आलोचना की है। श्रद्धालु तंवीर सादिक और नेकां के श्रीनगर के सांसद रूहुल्ला मेहदी ने कहा कि मंदिर के अंदर मूर्ति रखने से इस्लाम के एकेश्वरवाद के सिद्धांत का उल्लंघन होता है, जिसमें मूर्ति पूजा की मनाही है।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कहा कि ऐसा लगता है कि मुसलमानों को जानबूझकर उकसाया जा रहा है। पीडीपी ने पीएसए के इस्तेमाल की मांग की निंदा करते हुए इसे 'दंडात्मक और सांप्रदायिक सोच' बताया।

'मातृछाया' ने पर्युषण पर्व पर दान, सेवा और करुणा के अनेक कार्य किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर द्वारा तेरापंथ के आद्यप्रवर्तक आचार्यश्री भिक्षु के 223वें चरमोत्सव के उपलक्ष में तेरापंथ भवन में महाश्रमण सुर संगम द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। तेयुप के अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। महाश्रमण सुर संगम सहप्रभारी सुरेश कोठारी, विक्रम पुगलिया, पूर्व अध्यक्ष अंकुश बैद, राहुल मेहता, संदीप बाबेल एवं कन्या मंडल, महिला मंडल द्वारा बाबा भिक्षु के अनेक मधुर भजनों द्वारा पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष गौतम दक, मंत्री हेमराज मांडोत, उपाध्यक्ष गौतम कातरेला, सह मंत्री महावीर देरासरिया, कोषाध्यक्ष नाथुलाल बोल्या सहित तेयुप के उपाध्यक्ष महावीर कटारिया व राजीव हीरावत, सहमंत्री गौतम चावत, कोषाध्यक्ष विजय कटारिया, संगठन मंत्री प्रणव धारीवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। 'अभ्यर्थना-एक क्रांति की 2.0' के अंतर्गत भिक्षु भक्तों ने उपवास किया और रात को ॐ भिक्षु जय भिक्षु का जाप भी किया गया। आभार तेयुप के मंत्री देवेंद्र आंचलिया ने ज्ञापित किया।

कांग्रेस ने भागवत के तीन बच्चों वाले बयान को लेकर कटाक्ष किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चों से संबंधित हालिया बयान को लेकर शनिवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि क्या 'हम दो, हमारे दो'' केवल मोदी सरकार पर लागू होगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि कुछ भाजपा शासित राज्यों में दो से अधिक बच्चे होने पर स्थानीय चुनाव लड़ने और सरकारी पद पर नियुक्ति से रोक जैसे कदम उठाए गए हैं।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, गुजरात में जिन व्यक्तियों के दो से अधिक बच्चे हैं, उन्हें स्थानीय निकायों (पंचायत, नगरपालिका और नगर निगम) के चुनाव लड़ने से अयोग्य करार दिया जाता है। असम में जिन व्यक्तियों के दो से अधिक बच्चे हैं, वे राज्य सरकार की किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखंड में जिन व्यक्तियों के दो से अधिक बच्चे हैं, उन्हें पंचायत चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। रमेश का कहना है, ''आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पांच दिन में 75 वर्ष के होने वाले है। उन्होंने प्रत्येक भारतीय दंपति से हम दो, हमारे तीन की नीति अपनाने की अपील की है।'' उन्होंने तंज कसते हुए सवाल किया कि क्या हम दो हमारे दो' केवल मोदी सरकार पर लागू होगा? भागवत ने बीते 28 अगस्त को कहा था कि जनसंख्या को पर्याप्त और नियंत्रण में रखने के लिए प्रत्येक भारतीय परिवार में तीन बच्चे होने चाहिए। आरएसएस के सौ साल होने पर आयोजित व्याख्यानमाला के अंतिम दिन प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान उन्होंने कहा था, किसी सभ्यता को जीवित रखने के लिए, भारत की जनसंख्या नीति 2.1 (औसत बच्चों की संख्या) का सुझाव देती है, जिसका मूलतः अर्थ तीन बच्चे हैं। लेकिन संसाधनों का प्रबंधन भी करना होगा, इसलिए हमें इसे तीन तक सीमित रखना होगा।

ट्रंप कहें या न कहें मोदी महान हैं, भारत अपनी विदेश नीति खुद बनाता है : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कहें या नहीं पर वास्तविकता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक महान नेता हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि भारत अपनी विदेश नीति खुद बनाता है, जिसे कोई अन्य देश निर्धारित नहीं कर सकता। फडणवीस का यह बयान ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा के बाद आया है। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था, ''मैं हमेशा (नरेन्द्र) मोदी का दोस्त रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। वह महान हैं। मैं हमेशा उनका दोस्त रहूंगा, लेकिन मुझे इस समय वह जो कर रहे हैं, वह पसंद नहीं आ रहा है।'' ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में भारी गिरावट आई है।

चूहों के हमले के बाद बच्ची ने दम तोड़ा, 'पिता का आरोप-अस्पताल ने बेटी की मौत की सूचना तक नहीं दी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में चूहों के हमले के बाद दम तोड़ने वाली दो नवजात बच्चियों में से एक बच्ची का परिवार शनिवार को एमवायएच पहुंचा और अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया।

बच्ची के पिता ने यह आरोप भी लगाया कि उसकी बेटी को भर्ती करने के बाद एमवायएच प्रशासन ने उसे घर भेज दिया और चूहों के हमले के बाद उसकी बेटी की मौत की सूचना देने की जहमत तक नहीं उठाई। एमवायएच प्रशासन ने इन आरोपों को खारिज किया है। आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखने वाली बच्ची का परिवार इंदौर के पड़ोसी धार जिले के ग्रामीण क्षेत्र का रहने वाला है।

बच्ची के पिता देवराम ने संवाददाताओं से कहा, ''मैंने अपनी नवजात बेटी को एमवायएच में बच्चों के आईसीयू में भर्ती कराया था। एमवायएच के कर्मचारियों ने हमसे घर जाने को बोला और कहा कि बच्ची के स्वास्थ्य की जानकारी वे हमें फोन पर दे देंगे। हमने दो दिन तक इंतजार किया, लेकिन हमें कोई फोन नहीं आया। बाद में हमें पता चला कि चूहों के काटने के बाद मेरी बेटी की मौत हो गई।'' उन्होंने बताया कि जन्मजात विकृति के कारण उनकी बेटी के शरीर में मलद्वार नहीं बनने की दिक्कत के चलते उसे एमवायएच में भर्ती कराया गया था।

अपनी बेटी की मौत के शोक में डूबे पिता ने कहा,आईसीयू में चूहे कैसे घुस गए और उन्होंने

नवजात बच्चों को कैसे काट लिया? मेरी बेटी की मौत एमवायएच प्रशासन की लापरवाही से हुई है। हम न्याय चाहते हैं। एमवायएच के आला अधिकारियों को निलंबित किया जाए। एमवायएच प्रशासन ने नवजात बच्ची की मौत के बाद दावा किया था कि अलग-अलग जन्मजात विकृतियों से जूझ रही इस बच्ची को उसके माता-पिता लावारिस हालत में छोड़कर चले गए थे।

एमवायएच, शहर के शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध है। बच्ची के पिता के आरोपों पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता (डीन) डॉ. अरविंद घनघोरिया ने कहा,हमारे अस्पताल के आईसीयू में जो बच्चे भर्ती होते हैं, उनके माता-पिता आईसीयू के बाहर उनके पास ही रहते हैं। मृत नवजात बच्ची के माता-पिता को हमारे साथ ही पुलिस ने भी तय प्रक्रिया के तहत ढूंढने की कोशिश की थी, लेकिन उनका पता नहीं चल सका था।

डीन ने कहा कि दोनों नवजात बच्चियों की मौत का चूहों के काटने से कोई लेना-देना नहीं है और उन्होंने अलग-अलग जन्मजात विकृतियों के कारण पहले से मौजूद गंभीर स्वास्थ्यगत परेशानियों से दम तोड़ा। घनघोरिया ने कहा, गंभीर जन्मजात विकृतियों के कारण दोनों बच्चियों को विश्व के किसी भी अस्पताल में नहीं बचाया जा सकता था। उच्चस्तरीय समिति की जांच में यह बात साबित हो जाएगी।

इस बीच, आदिवासी संगठन जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) के बड़ी तादाद में मौजूद कार्यकर्ताओं ने मृत बच्ची के माता-पिता के साथ एमवायएच में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चूहों के हमले के बाद दम तोड़ने वाली दोनों नवजात बच्चियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने और एमवायएच के जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित करके उन पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की। एमवायएच परिसर में करीब छह घंटे चले प्रदर्शन के बाद धार जिले की मृत नवजात बच्ची के परिवार को सरकारी खजाने से पांच लाख रुपये की मदद प्रदान की गई। इसके बाद बच्ची का परिवार शनिवार देर शाम उसका शव लेने को राजी हुआ और जयस ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

जयस के राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकेश मुजाल्दा ने कहा, ''जिला प्रशासन ने हमारी यह मांग पूरी करने का भरोसा दिलाया है कि एमवायएच के शीर्ष अधिकारियों के निलंबन और उन पर प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए जरूरी कदम उठाए जांगे।'' उन्होंने कहा कि अगर 10 दिन के भीतर यह मांग पूरी नहीं हुई, तो एमवायएच परिसर में जयस की ओर से दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

चूहों के काटे जाने के बाद नवजात बच्चियों की मौत के मामले में एमवायएच प्रबंधन अब तक छह अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर चुका है जिसमें निलंबन और पद से हटाए जाने के कदम शामिल हैं।

सिद्दरामय्या ने ईवीएम के बजाय मतपत्र से स्थानीय निकाय चुनाव कराने के फैसले का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाय मतपत्र से स्थानीय निकाय चुनाव कराने के अपनी सरकार के फैसले का बचाव करते हुए शनिवार को सवाल किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इससे भयभीत क्यों है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) से राज्य में भविष्य में होने वाले सभी पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय मतपत्रों से कराने की सिफारिश करने का फैसला किया।

सिद्दरामय्या ने सवाल किया, क्या मतपत्र का इस्तेमाल करने वाले अन्य देश पाषाण युग में लौट गए हैं? क्या अमेरिका और अन्य उन्नत देश पाषाण युग में लौट गए हैं? वे (भाजपा) मतपत्र से क्यों डरते हैं? वह भाजपा द्वारा उनकी सरकार के मतपत्र का उपयोग करने के निर्णय की तुलना 'पाषाण युग' में वापसी से करने पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

सिद्दरामय्या ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''यह कहना ठीक नहीं है कि मतपत्र के उपयोग से हम पाषाण युग में लौट जाएंगे।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम अपने अनुभव के आधार पर कह रहे हैं कि चुनावों में बहुत अन्याय हो रहा है। मतदाता सूची को लेकर कई समस्याएं हैं।

राहुल गांधी (कांग्रेस नेता) बिहार में इसके खिलाफ लड़ रहे हैं, जहां विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बेंगलुरु के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस किस तरह से हारी थी।'' सरकार ने मतपत्र पर वापस लौटने के निर्णय के पीछे कारण बताया है कि ईवीएम को लेकर लोगों के बीच विश्वास और विश्वसनीयता में गिरावट आई है।

सोशल मीडिया पर सिद्दरामय्या के बारे में 'आपत्तिजनक' पोस्ट करने के आरोप में प्राथमिकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि साइबर अपराध पुलिस ने तीन सितंबर को स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था। पुलिस उपायुक्त (अपराध-2) राजा इमाम कासिम ने कहा, हमने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रहे हैं। हाल ही में अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान (एआईआईएसएच) के हीरक जयंती समारोह से जुड़ा सिद्दरामय्या का वीडियो ऑनलाइन सामने आया था, जिसमें वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत मंच पर मौजूद लोगों से पूछते हुए दिखाई दे रहे थे कि क्या वे कन्नड़ जानते हैं। उन्होंने सभा को कन्नड़ भाषा में संबोधित किया था। वीडियो के व्यापक रूप से प्रसारित होने के बाद, कई इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने मुख्यमंत्री पर अपमानजनक रवैया दिखाने का आरोप लगाया और उन्हें निशाना बनाते हुए अपमानजनक टिप्पणियां पोस्ट कीं।

आईएमएफ प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव से मुलाकात की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । वार्षिक परामर्श के तहत अमेरिका से भारत आए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को कर्नाटक की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश से मुलाकात की। अधिकारियों ने बताया कि अनुच्छेद 4 परामर्श' के तहत भारत का दौरा करने वाली वाशिंगटन डीसी की आईएमएफ टीम व्यापक वित्तीय घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रखती है और वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) व अन्य सरकारी प्राधिकारों को नीतिगत सलाह प्रदान करती है। आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्य सचिव के साथ आईएमएफ टीम की बैठक के दौरान कर्नाटक की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त उमा महादेवन भी मौजूद थीं। बयान के अनुसार, बैठक में निवेश आकर्षित करने और राजकोषीय स्थिरता बनाए रखने से जुड़ी राज्य स्तरीय पहलों से लेकर मानव पूंजी को मजबूत करने तथा जलवायु-केंद्रित नीतियों को आगे बढ़ाने जैसी संरचनात्मक चुनौतियों पर चर्चा की गई।

पुलिस कर्मी को वाहन से कुचलने की कोशिश के आरोप में दो गिरफ्तार

उडुप्पी/दक्षिण भारत । कर्नाटक के उडुप्पी जिले के शहर के हेजामाडी टोल प्लाजा के पास रोकने पर पुलिसकर्मियों को कुचलने की कोशिश करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मामले में काउप निवासी मोहम्मद अजीम और बाजपे निवासी मोहम्मद रजिक को शुक्रवार रात गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि घटना पांच अगस्त को हुई थी, जिसके बाद दोनों तमिलनाडु और केरल भाग गए। हालांकि, उनका पता लगाया और पांच सितंबर को जिले में लौटने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में एक अन्य संदिग्ध शहरोज को उसी दिन मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

कर्नाटक के गौरव कहे जाने वाले अलमट्टी स्थित लाल बहादुर शास्त्री जलाशय का जलस्तर अपने चरम पर पहुँच गया है। इस अवसर पर शनिवार को कृष्णा नदी में गंगा पूजा की गई और प्रार्थना की गयी की अलमट्टी जलाशय की जल संपदा चिरस्थायी रहे। इस अवसर पर बघिना अर्पित करते कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार तथा वाणिज्य मंत्री एम बी पाटिल सहित अन्य ।

दशहरा उत्सव में बानू मुश्ताक का विरोध करने वालों से हम राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ंगे : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुरा। कर्नाटक के मैसूरु में आयोजित किये जाने वाले विश्व प्रसिद्ध दशहरा उत्सव का उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित बानू मुश्ताक से कराने का विरोध करने वालों से राजनीतिक और कानूनी दोनों मोर्चों पर लड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने राज्य की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता और मैसूरुके पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा ने शनिवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर राज्य सरकार द्वारा मुश्ताक को दशहरा के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। इस बारे में पूछे जाने पर सिद्दरामय्या ने यह टिप्पणी की। मुख्यमंत्री ने कहा, ''बहुत खुशी है, उन्हें (सिम्हा को) अदालत जाने दीजिए, इसका फैसला अदालत में होगा। जब (कवि) निसार अहमद ने दशहरा का उद्घाटन किया था, तब कोई अदालत क्यों नहीं गया था? वह (सिम्हा) उस समय सांसद थे।''

सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि हैदर अली और टीपू सुल्तान ने मैसूरुमें अपने शासन के दौरान दशहरा उत्सव मनाया था और मैसूर के दीवान के रूप में मिर्जा इस्माइल दशहरा जुलूस के दौरान हाथी पर सवार होकर जाते थे। उन्होंने कहा, ''वे (भाजपा) राजनीति के लिए विरोध कर रहे हैं, हम इसे राजनीतिक रूप से भी लड़ेंगे, और अदालत में कानूनी रूप से भी लड़ेंगे।'' मैसूरु दशहरा उत्सव 22 सितंबर से शुरू होगा और विजयादशमी पर समाप्त होगा, जो इस वर्ष दो अक्टूबर को है। बानू मुश्ताक का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद, भाजपा नेताओं और अन्य लोगों ने राज्य सरकार द्वारा लेखिका को दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के फैसले पर आपत्ति जतायी है। वीडियो में, मुश्ताक को कथित तौर पर कन्नड भाषा को 'देवी भुवनेश्वरी' के रूप में पूजा करने पर आपत्ति जताते और यह कहते सुना जा सकता है कि यह उनके जैसे लोगों (अल्पसंख्यकों) के लिए बहिष्कारपूर्ण है। दशहरा का उद्घाटन पारंपरिक रूप से मैसूरु में चामुंडी पहाड़ियों के ऊपर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मैसूरु और उसके राजघरानों की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी के विग्रह पर पुष्प वर्षा करके किया जाता है।

अलमट्टी जलाशय के लबालब भर जाने से किसान खुश हैं : डीके शिवकुमार

विजयपुरा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को विजयपुरा ज़िले में कृष्णा नदी पर बने अलमट्टी जलाशय का दौरा किया। उन्होंने इस अवसर पर कृष्णा नदी का पूजन भी किया।

डीके शिवकुमार ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर कहा, 'कृष्णा को नमन ... आज मैंने विजयपुरा ज़िले में कृष्णा नदी पर बने अलमट्टी जलाशय का दौरा किया और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ गंगा पूजा की और कृष्णा नदी को नमन किया।' डीके शिवकुमार ने कहा, 'अलमट्टी जलाशय के लबालब भर जाने से किसान खुश हैं और मैंने प्रार्थना की है कि देश के लोग स्वस्थ रहें और अन्नदाताओं का जीवन समृद्ध हो।'

उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'कृष्णा जलाशय अपनी पूर्ण संग्रहण क्षमता 519.60 मीटर तक पहुंच गया है, जिससे बांध में 123.081 टीएमसी जल संग्रहण क्षमता हो गई है। पेयजल की जीवनरेखा और लाखों किसानों की आजीविका, कृष्णा को मेरा नमन।'

इससे पहले, डीके शिवकुमार ने कहा, 'कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग राज्यभर के परिवारों का सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण कर रहा है। बिजली कनेक्शन वाले घरों के आरआर मीटर के आधार पर घरों की पहचान की जा रही है।' उन्होंने कहा, 'इस सर्वेक्षण के तहत, घरों की सूची बनाने का काम चल रहा है और इसी कड़ी में, आयोग के कर्मचारी आज मेरे सदाशिवनगर स्थित आवास पर आए और एक स्टिकर लगाया।'

डीके शिवकुमार ने कहा, 'स्टिकर चिपकाए जाने के बाद, शिक्षक घर-घर जाकर परिवारों का सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण करेंगे। मैं जनता से अनुरोध करता हूँ कि वे सही जानकारी देकर सर्वेक्षण में सहयोग करें।'

जीएसटी दरों में कमी का लाभ आम लोगों को मिलना चाहिए : सिद्दरामय्या

कहा- 'जल्दबाजी में दोषपूर्ण जीएसटी लागू किया गया था'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि हम जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के जीएसटी परिषद के फैसले का स्वागत करते हैं, जो लोगों और व्यवसायों पर मौद्रिक और अनुपालन बोझ को कम करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। सिद्दरामय्या ने कहा कि यह फैसला कोई नई समझदारी नहीं है, बल्कि राहुल गांधी, विपक्षी नेताओं और विपक्ष शासित राज्यों द्वारा वर्ष 2016-2017 से की जा रही मांग को लंबे समय से विलंबित स्वीकृति है, जब मोदी सरकार ने जल्दबाजी में दोषपूर्ण जीएसटी लागू किया था।

सिद्दरामय्या ने कहा कि हमने शुरू से ही चेतावनी दी थी कि यह 'गब्बर सिंह टैक्स' छोटे व्यवसायों को बर्बाद कर देगा, अनुपालन लागत बढ़ाएगा और आम परिवारों पर बोझ डालेगा। दुर्भाग्य से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठ साल तक इन चेतावनियों को नज़रअंदाज़ किया। सिद्दरामय्या ने कहा कि स्पष्ट रूप से समझाएं तो जीएसटी प्रणाली केंद्र सरकार को कुल मतदान शक्ति का एक-तिहाई हिस्सा देती है, जबकि सभी राज्य मिलकर शेष दो-तिहाई हिस्सा साझा करते हैं। किसी भी सुधार के लिए तीन-चौथाई बहुमत की जरूरत होती है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि इसका मतलब है कि अगर सभी राज्य सहमत हो जाएं, तो भी एक ज़िद्दी केंद्र सरकार सुधारों को रोक सकती है। मोदी की सरकार ने ठीक यही किया। आज का यह सुधार साबित करता है कि हमारा रुख शुरू से ही सही था। अगर केंद्र सरकार ने पहले ही ध्यान दिया होता तो भारत के लोगों को वर्षों की मुश्किलों से बचाया जा सकता था।

सिद्दरामय्या ने कहा कि अब, यह जिम्मेदारी केंद्र सरकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की है कि वे यह सुनिश्चित करें कि जीएसटी युक्तिकरण का लाभ वास्तव में उपभोक्ता तक पहुंचे। सिद्दरामय्या ने कहा कि दरों में कमी से आम लोगों के लिए कीमतें कम होनी चाहिएं, न कि बड़ी कंपनियों के मुनाफे में बढ़ोतरी। अगर इसका लाभ आम आदमी तक नहीं पहुंचता है तो इसका पूरा दोष केंद्र सरकार पर होगा।

सिद्दरामय्या ने कहा कि इस फैसले से अकेले कर्नाटक को 15,000-20,000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हो सकता है। फिर भी, अपने लोगों के कल्याण को सर्वोपरि रखते हुए, हम इसका स्वागत करते हैं, लेकिन हम केंद्र सरकार से यह भी दृढ़तापूर्वक आग्रह करते हैं कि वह जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर, जो अभी भी कुछ हानिकारक वस्तुओं पर वसूला जा रहा है, को राज्यों को वापस सौंप दे।

सिद्दरामय्या ने कहा कि एक राज्य के रूप में, हम एक ऐसी अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं जो लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाए, कर आधार को व्यापक बनाए और सभी के लिए समृद्धि सुनिश्चित करे। हमारे लिए, शासन का अर्थ दिखावे से नहीं, बल्कि कर्नाटक और भारत के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाना है।

याचिका

शनिवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से उनके सदाशिवनगर स्थित आवास पर अभिनेत्री जयमाला, श्रुति और मालविका ने मुलाकात की और प्रसिद्ध अभिनेता विष्णुवर्धन के लिए एक स्मारक के निर्माण के संबंध में एक याचिका प्रस्तुत की।

तमिलनाडु के सांसद ने जनार्दन रेड्डी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तमिलनाडु के कांग्रेस सांसद शशिकांत सेंथिल ने शनिवार को कहा कि उन्होंने 'धर्मस्थल' मामले से उन्हें जोड़ने और उन पर आरोप लगाने के लिए कर्नाटक के विधायक जनार्दन रेड्डी के खिलाफ यहां एक अदालत में आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया है। उन्होंने इन दावों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया। सेंथिल ने आरोप लगाया कि यह एक ''दक्षिणपंथी समन्वित प्रयास'' है, क्योंकि वह उनकी राजनीति का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका इस मामले से कोई संबंध नहीं है तथा उन्होंने आरोपों को खारिज कर दिया।

रेड्डी, जो भाजपा से जुड़े हैं, ने पिछले महीने दावा किया था कि पूरा 'धर्मस्थल' मामला सेंथिल के जरिए रचा गया था।

'अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर उन्नत करते रहें अधिकारी'

एयरफोर्स टेक्निकल कॉलेज में पासिंग आउट परेड हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 105वें एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम की पासिंग आउट परेड शनिवार को एयरफोर्स टेक्निकल कॉलेज में हुई। इस अवसर पर मित्र देशों के 13 अधिकारियों सहित कुल 71 इंजीनियरिंग अधिकारियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ स्नातक की उपाधि ली। उनका 62 हफ्तों का कठोर प्रशिक्षण पूरा हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मेंटेनेंस कमांड एयर मार्शल विजय कुमार गर्ग थे, जिन्होंने बतौर समीक्षा अधिकारी परेड का निरीक्षण किया। उनका स्वागत कॉलेज के कमांडेंट एयर कमोडोर आशुतोष श्रीवास्तव ने किया। परेड में

डोर्नियर्स और एमआई-17 हेलीकॉप्टरों ने शानदार फ्लाईपास्ट किया। परेड के दौरान 'एयर वॉरियर ड्रिल टीम' और वायुसेना के बैंड ने भी कौशल का प्रदर्शन किया।

समीक्षा अधिकारी ने पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को ट्रॉफी और पदक दिए। ऑर्डर-ऑफ-मेरिट में प्रथम स्थान के लिए प्रतिष्ठित 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' फ्लाइंग ऑफिसर सनपाला मधु को दिया गया। प्रोफेशनल विषयों और जनरल सर्विस ट्रेनिंग में सर्वश्रेष्ठ अधिकारी के लिए 'राष्ट्रपति पट्टिका' सम्मान निसर्ग शरद सुर्वे को दिया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल स्ट्रीम में ऑर्डर-ऑफ-मेरिट में प्रथम स्थान के लिए 'चीफ ऑफ एयर स्टाफ मेडल' क्रमशः फ्लाइंग ऑफिसर कुणाल फाघल और फ्लाइंग ऑफिसर भानूप्रिया शर्मा को दिए गए।

एयर मार्शल ने स्नातक अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने अधिकारियों को इनोवेटिव बनकर ऑपरेशनल तत्परता पर ध्यान केन्द्रित करने, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्रगति के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ने तथा रखरखाव संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर उन्नत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अधिकारियों से शारीरिक और मानसिक फिटनेस के उच्चतम मानकों को विकसित करने के लिए कहा, ताकि उन्हें सौंपे गए हर कार्य में उत्कृष्टता हासिल की जा सके। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग अधिकारियों के रूप में, आप पर जवानों का नेतृत्व करने और टेक्नोलॉजी का उपयोग करने की दोहरी जिम्मेदारी होगी। यह जज्बा भारतीय वायुसेना की युद्ध प्रभावशीलता में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देगा।

राजस्थान सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कर रही है लगातार कार्य : दियाकुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से लगातार कार्य किए जा रहे है और पर्यटकों को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो एवं उन्हें हर सुविधा मिले इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

श्रीमती दिया कुमारी शनिवार को कानोता में इंडियन हैरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) सम्मेलन में बोलते हुए यह बात कही। इससे पहली उन्होंने सम्मेलन शुभारंभ किया। इस दौरान 12वां वार्षिक अधिवेशन और 24वीं वार्षिक आमसभा की भी शुरुआत की गई।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से टूरिज़म को बढ़ावा देने के लिए अच्छी पालिसी लाई जा रही जिससे टूरिज़म और मजबूत स्तर पर स्थापित हो सके। इन सभी पालिसी का पर्यटकों को सीधा फ़ायदा मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि टूरिज़म में जीएसटी की छूट दी है उससे भी काफ़ी फ़ायदा मिलेगा। राजस्थान मेहमान नवाजी के जाना जाता है यहाँ घर घर में मेहमान को भगवान की तरह देखा जाता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार भी इस दिशा में हरसंभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है ताकि हमारी धरोहरें केवल इतिहास का हिस्सा न बनें बल्कि वर्तमान और भविष्य का गर्व भी बनें। हमें गर्व है कि देश के कुल 206 हेरिटेज होटलों में से लगभग 140 केवल राजस्थान में स्थित हैं, यह हमारे प्रदेश के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रमाण है। आईएचएचए न केवल किलों, महलों, हवेलियों और ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण व पुनरुद्धार के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि विरासत आतिथ्य के क्षेत्र में उच्चतम मानक स्थापित कर रही है।

हेरिटेज होटल्स सिर्फ व्यवसाय नहीं बल्कि अतीत और वर्तमान के बीच सेतु : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि हेरिटेज होटल्स सिर्फ व्यवसाय नहीं हैं बल्कि अतीत और वर्तमान के बीच सेतु हैं। ये हमारे कारीगरों को सम्मान और युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार देते हैं।

शेखावत ने शनिवार को कैसल कानोता में इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के 12वें वार्षिक सम्मेलन और 24वीं वार्षिक आम बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार इसको लेकर प्रतिबद्ध है कि न केवल हेरिटेज होटलों को टूरिज्म योजनाओं का अभिन्न हिस्सा बनाया जाएगा बल्कि कंजर्वेशन के लिए इंसेंटिव्स और सर्टिफिकेशन को भी मजबूत किया जाएगा। आईएचएचए के साथ सक्रिय साझेदारी की दिशा में सक्रियता के साथ काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के अन्य हिस्सों के अलावा राजस्थान को वैश्विक रोमांटिक हेरिटेज डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने का समय आ गया है। उन्होंने कुछ सुझाव देते हुए कहा कि सबसे पहले राजस्थान में रोमांटिक हेरिटेज सर्किट बनाया जा सकता है, जिसमें जयपुर, शेखावाटी, उदयपुर, जोधपुर और आईएचएचए की चुनिंदा 12 प्रॉपर्टीज शामिल की जा सकती है जिन्हें वेडिंग्स, फिल्म शूट्स, माइस् (एमआईसीई) और एक्सपीरिएंशल टूरिज्म के लिए खासतौर पर आकर्षक बनाया जा सकता है। बकायदा इसके लिए स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद योजना से फंडिंग ली जा सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि एक हेरिटेज होटल मॉडर्नाइजेशन फंड (एचएचएमएफ) बने, जिससे कंजर्वेशन, फायर सेफ्टी और एनर्जी अपग्रेड जैसी जरूरतें पूरी हों। इसके अलावा मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म के सहयोग से रोमांटिक हेरिटेज सर्टिफिकेशन शुरू किया जा सकता है, जो होटल की ऑथेन्टिसिटी और रोमांस-रेडी सुविधाओं को दर्शाने वाला हो।

शेखावत ने कहा कि हेरिटेज होटलों को स्थानीय युवाओं और कारीगरों के लिए स्किल एंड क्राफ्ट हब्स बनाया जा सकता है ताकि रोजगार और सांस्कृतिक पहचान दोनों को बढ़ावा मिल सके। साथ ही, वेडिंग टूरिज्म के लिए टूलकिट तैयार की जा सकती है, जिसके लिए आईएचएचए को फिल्म बोर्ड्स से जोड़कर डिजिटल स्टोरीज़ और डॉक्युमेंट्रीज को प्रोत्साहन मिल सकता है। उन्होंने आईएचएचए के सदस्यों से अपील की कि वे सभी होटल्स की ऑफिशियल मंजूरी और रिन्युअल्स समय पर करवाएं, ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर विजिबिलिटी मिल सके।

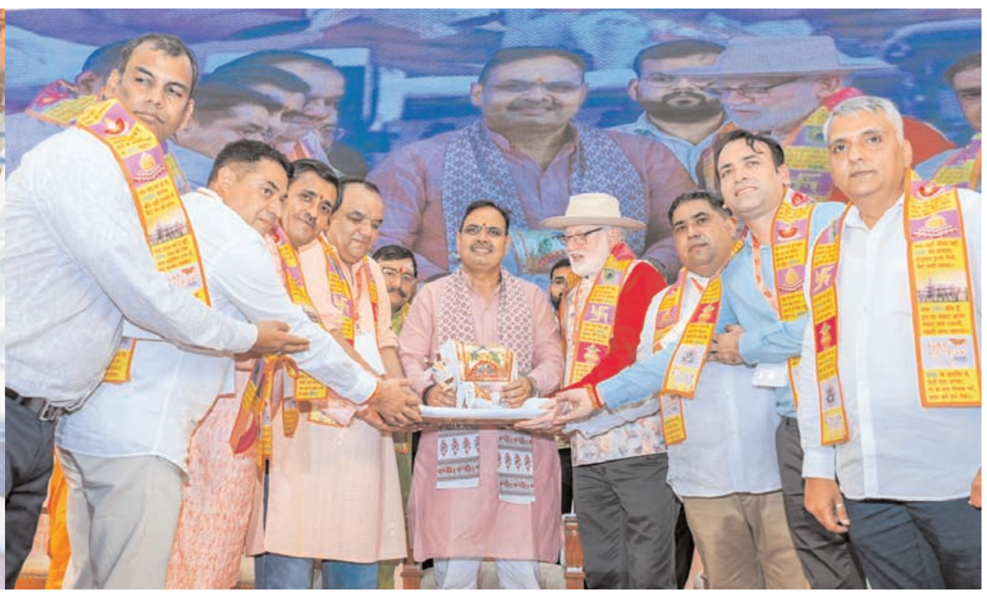

राजस्थान को बनाएंगे देश का सबसे बड़ा डेयरी हब : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा कि राजस्थान को केवल कृषि प्रधान राज्य नहीं बल्कि आने वाले समय में समूचे भारत का सबसे बड़ा 'डेयरी हब' बनाना हमारा सपना है।

शर्मा यहां देवराहा बाबा गौ सेवा परिवार द्वारा आयोजित 'गौ-महाकुंभ' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने गौवंश, गोपालक और किसानों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं, जिसमें गौ संरक्षण व संवर्धन योजनाओं के लिए 2,791 करोड़ रुपए की अनुदान राशि, प्रत्येक पंजीकृत गौशाला को प्रति गाय 50 रुपए और बछड़ों के लिए 25 रुपए प्रतिदिन की सहायता प्रदान करना शामिल है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की 100 गौशालाओं को गौ काष्ठ मशीनें विशेष रियायती दर पर उपलब्ध कराई गई हैं और अब तक 341 गौशालाओं में आधारभूत सुविधाओं का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि नंदीशाला सहभागिता योजना के तहत पंचायत स्तर पर आधारभूत संपत्तियों के निर्माण के लिए 62 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की गई है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि किसान और पशुपालक हमारे अन्नदाता व पोषणदाता है इसलिए हमें किसानों को आधुनिक तकनीक, सही दाम और सुरक्षित जीवन देकर सशक्त करना है। वहीं एक अन्य कार्यक्रम में राज्य सरकार और पंजाब नेशनल बैंक के बीच समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' के संकल्प के साथ 'विकसित राजस्थान' का निर्माण हमारा ध्येय है और इसके लिए राजस्थान सरकार पहले बजट से ही दीर्घकालिक योजना के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 'ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे, अक्षय ऊर्जा से लेकर जयपुर मेट्रो के विस्तार सहित आधारभूत विकास की विभिन्न परियोजनाएं इस दिशा में कारगर साबित होगी। शर्मा ने दावा किया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक 350 अरब डॉलर बनाने के लक्ष्य की दिशा में राजस्थान सरकार ने पूंजीगत निवेश पर विशेष बल दिया है।

प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा राजस्थान

जयपुर/भाषा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को राजस्थान रोडवेज की 160 नई ब्लू लाइन एक्सप्रेस बसों को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

यहां अमर जवान ज्योति पर आयोजित कार्यक्रम में जयपुर से काठगोदाम (कैंची धाम-उत्तराखंड) के लिए सुपर लग्जरी बस सेवा की शुरुआत भी की गई।

मंत्री शर्मा ने कहा कि आमजन के लिए सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं आधुनिक यातायात सुविधा के विस्तार के साथ राजस्थान प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक हर सुविधा की पहुंच सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

शर्मा ने कहा कि नई बसों के संचालन से यातायात के बढ़ते दबाव के प्रबंधन में सुगमता के साथ ही आमजन को बेहतर यातायात सुविधाएं मिल सकेंगी।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासियों को जयपुर से काठगोदाम (उत्तराखण्ड) के लिए बस सेवा की सौगात दी गई है, जिससे बाबा नीम करौली धाम (कैंचीधाम) जाने वाले यात्रियों को सहूलियत होगी और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को आसान धार्मिक परिवहन उपलब्ध कराने के लिए गत वर्ष से अयोध्या, गोवर्धन, सालासर बालाजी, रामदेवरा, श्रीनाथजी, श्रीकरणी माता एवं कैलादेवी जैसे धार्मिक स्थानों के लिए बस सुविधा प्रदान की जा रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (आरएसआरटीसी) द्वारा खरीदी गई इन नई बसों का विधिवत रूप से पूजन किया। उन्होंने साथ ही बसों में मौजूद सुविधाओं के बारे में जानकारी भी ली।

बयान के अनुसार, राज्य के 12 विभिन्न बस डिपो को 160 ब्लू लाइन एक्सप्रेस बसें उपलब्ध कराई गई हैं। ये डिपो वैशाली नगर, विद्याधर नगर, शाहपुरा, जयपुर, हिण्डौन, दौसा, अजमेर, अजयमेरु, कोटपूतली, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, भीलवाड़ा में हैं।

राजस्थान में एक महीने तक हस्ताक्षर अभियान चलायेगी कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने कहा है कि चुनाव आयोग द्वारा चुनावों में पारदर्शिता समाप्त करके लोकतंत्र एवं आम आदमी के वोट के अधिकार पर किए जा रहे प्रहार के विरुद्ध राज्य में एक महीने तक हस्ताक्षर अभियान चलायेगी।

चतुर्वेदी ने शनिवार को यहां बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस समिति द्वारा देश में लोकतंत्र एवं प्रजातन्त्र की रक्षा करने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा लोकतंत्र पर लगातार किए जा रहे प्रहार के विरुद्ध देशभर में 'वोट चोर-गद्दी छोड़' अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा पारदर्शिता के साथ चुनाव करवाने की बजाए आम आदमी के लोकतांत्रिक अधिकारों पर प्रहार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके विरोध में 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक राजस्थान प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार सभी जिला, ब्लॉक, मण्डल एवं बूथ कांग्रेस समितियां अपने-अपने क्षेत्र में आमजनता के बीच जाकर चुनाव आयोग द्वारा की जा रही इस धांधली के विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा तैयार ज्ञापन पर आमजन के हस्ताक्षर लेंगी।

उन्होंने कहा कि डोटासरा ने सभी जिला प्रभारियों एवं जिलाध्यक्षों को अगले सात दिनों में जिला कांग्रेस समिति की बैठक करके इस अभियान की तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। इस अभियान के तहत् सभी कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता घर-घर जाकर हस्ताक्षर अभियान चलायेंगे।

राजस्थान के अनेक जिलों में भारी बारिश का 'रेड अलर्ट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान में मानसून की मूसलाधार बारिश का दौर जारी है और मौसम विभाग ने शनिवार व रविवार को राज्य के अनेक जिलों में अत्यंत भारी बारिश की चेतावनी (रेड अलर्ट) जारी की है।

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार कम दबाव का एक क्षेत्र (डब्लूएमएल) आज दक्षिण पूर्वी राजस्थान के ऊपर बना हुआ है। मौसम केंद्र के अनुसार इसके धीरे-धीरे आगे बढ़ने और आगामी 24 घंटे में तीव्र होकर अवदाब में बदलने की पूरी संभावना हैं। विभाग के अनुसार इसके असर से 6-7 सितंबर के दौरान उदयपुर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में भारी से अतिभारी बारिश व कहीं-कहीं अत्यंत भारी (204 मिलीमीटर से अधिक) बारिश हो सकती है।

मौसम केंद्र ने बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर व उदयपुर जिले में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी 'रेड अलर्ट' जारी किया है। वहीं जालोर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, राजसमंद व सिरोही जिले में अति भारी बारिश का 'ऑरेंज अलर्ट' है। इसके अनुसार इस दौरान अजमेर, बीकानेर, कोटा, जयपुर व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मध्यम से कहीं-कहीं तेज बारिश होने की प्रबल संभावना है। मौसम केंद्र के अनुसार वहीं 8-9 सितंबर को जोधपुर संभाग व आसपास के जिलों में कहीं भारी, तो कहीं अतिभारी बारिश का दौर जारी रहेगा।

मौसम केंद्र के अनुसार शनिवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य के भीलवाड़ा व अजमेर जिलों में अतिभारी बारिश व बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, झालावाड़, राजसमंद, डूंगरपुर, अलवर, पाली तथा चित्तोड़गढ़ जिलों में भारी बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार सर्वाधिक बारिश बनेड़ा (भीलवाड़ा) में 156 मिलीमीटर दर्ज की गई।

लगातार बारिश के कारण अनेक जिलों में निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति हो गई और जनजीवन प्रभावित हुआ है। भीलवाड़ा में सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण कई कॉलोनियों में दो से तीन फुट तक पानी भर गया। लगातार मूसलाधार बारिश से मांडल इलाके में एक मकान ढह गया। उदयपुर में भारी बारिश के कारण एक स्कूल की चारदीवारी गिर गई।

पुलिस ने बताया कि कोटा के रामगंजमंडी इलाके में कालियाखेड़ी गांव में आकाशीय बिजली गिरने से 40 वर्षीय किसान अशोक मीणा की मौत हो गई।

टोंक जिले में बीसलपुर बांध में पानी भर जाने के कारण अधिकारियों को शनिवार सुबह दो अतिरिक्त गेट खोलने पड़े। राजसमंद के कुंभलगढ़ उपखंड में शुक्रवार रात से हो रही भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-162 का एक हिस्सा बह गया और वाहनों को दूसरे मार्गों से भेजना पड़ा। भारी बारिश की संभावना के चलते अजमेर, उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा और सलूंबर में शनिवार को स्कूल बंद रहे।

राज्य में बचाव व राहत कार्य के लिए राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की 62 टीम, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की सात टीम और सिविल डिफेंस की कई टीम काम कर रही हैं।

रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार अजमेर मंडल के फुलाद-खामलीघाट रेल खंड में भारी बारिश के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा और दो ट्रेन रद्द की गई हैं।

विशेष रूप से सक्षम बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिताओं का हुआ भव्य शुभारम्भ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रालसा द्वारा विशेष रूप से सक्षम बच्चों में विधिक जागृति पैदा करने के उद्देश्य से खेलकूद व अन्य गतिविधियों के जरिए विधिक चेतना अभियान उड़ान 2.0 का शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम के इन्डोर स्टेडियम में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधिपति श्री जे. के. माहेश्वरी के मुख्य आतिथ्य में उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय न्यायाधिपति के आगमन पर पुलिस बैण्ड की स्वागत धुन व नालसा के थीम सॉन्ग के साथ हुआ।

इस दौरान अतिथियों द्वारा आकाश में गुब्बारे उड़ाए गए। वाल ऑफ इंशपिरेशन पर हस्ताक्षर किए, सभी खिलाड़ियों के पास जाकर उनका खेल देखा और उनका उत्साहवर्धन किया।

संघ की समन्वय बैठक में शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों पर चर्चा

जोधपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और इसके संबद्ध संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारियों की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक के दूसरे दिन शनिवार को महिलाओं के मुद्दों सहित सहकार, कृषि, सामाजिक और नशा उन्मूलन पर विभिन्न संगठनों के कार्यों व अनुभवों पर चर्चा की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के अनुसार, बैठक के पहले और दूसरे दिन संघ शताब्दी वर्ष (विजयादशमी 2025 से विजयादशमी 2026) के विभिन्न कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई।

संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि सहकारिता के भाव को समाज में सुदृढ़ कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए दुग्ध संघ विषयक चर्चा हुई। इस तीन दिवसीय बैठक (पांच-सात सितंबर) में संघ के 32 संगठनों के अखिल भारतीय पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के साथ साथ सभी छह सह सरकार्यवाह, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार, संगठन मंत्री मिलिंद परांडे सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

भीलवाड़ा में लगातार बारिश से स्थिति बिगड़ी

भीलवाड़ा/एजेन्सी। राजस्थान में भीलवाड़ा शहर में लगातार हो रही भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जगह-जगह जलभराव होने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। शनिवार को जिला कलेक्टर जसमीत सिंह सिंधु, विधायक अशोक कोठारी और महापौर राकेश पाठक ने शहर के विभिन्न जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करके स्थिति का जायजा लिया। सिंधु ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को तुरंत पानी की निकासी शुरू करने और अवरुद्ध नालों को खुलवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में आमजन को दिक्कत नहीं होनी चाहिए। जहां-जहां पानी भर गया है, वहां जेसीबी पंप सेट लगाकर निकासी की जाये। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में तेजी लायी जाये, ताकि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जा सके।

सिंधु ने बताया कि प्रभावित परिवारों को भोजन और अन्य आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगर किसी क्षेत्र में किसी परिवार को भोजन की दिक्कत आ रही है, तो वहां अन्नपूर्णा रसोई से भोजन उपलब्ध कराया जाये।

इस मौके पर महापौर राकेश पाठक ने नालों की गलत योजना और डिज़ाइन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि राजीव गांधी ऑडिटोरियम निर्माण के लिए नाले को ही घुमा दिया गया, इस कारण विजय सिंह पथिक नगर में समस्या खड़ी हुई है। विधायक अशोक कोठारी ने कहा कि अतिक्रमण हटाये बिना जलभराव की समस्या खत्म नहीं होगी।

मुश्किल घड़ी में किसानों के साथ खड़ी है राज्य सरकार : जवाहर सिंह बेढ़म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । गृह राज्य मंत्री व करौली जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म एवं जिला प्रभारी सचिव श्रीमती अनुपमा जोरवाल ने शनिवार को करौली के मामचारी में वर्षाजनित क्षेत्रों का जमीनी स्तर पर जायजा लिया। उन्होंने अतिवृष्टि के कारण हुए फसल खराबे का निरीक्षण किया व कृषकों से बात कर नुकसान के मुआवजा जल्द से जल्द दिलवाने के लिए आश्वासन देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि मुश्किल समय में राज्य सरकार ग्रामीणों एवं कृषकों के साथ खडी है। उन्होंने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना व त्वरित निस्तारण के लिए आश्वासन भी दिया। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया व योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा की पानी की निकासी प्रशासन की प्राथमिकता है एवं जहां-जहां अवरोध या अतिक्रमण के कारण जल भराव की स्थिति उत्पन्न हुई है वहां से अतिक्रमण हटाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। निरीक्षण के दौरान जिला प्रभारी मंत्री ने आवश्यक सेवाओं जैसे पानी, भोजन, चिकित्सा, बिजली, आदि की व्यवस्था सुचारू रूप से रखने के लिए पंचायती राज, शिक्षा, चिकित्सा, रसद, सानिवि, पीएचईडी, विद्युत, नागरिक सुरक्षा, पुलिस, पशुपालन, राजस्व, महिला एवं बाल विकास सहित समस्त विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में 400 नई बसों को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राजधानी लखनऊ में 400 नई बसों को हरी झंडी दिखाई। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के अनुसार, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने विभिन्न सेवाओं, योजनाओं और परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

बयान में बताया कि 1.5 लाख जनसेवा केंद्रों के माध्यम से आमजन तक 45 से अधिक परिवहन सेवाएं पहुंचाने की सुविधा की शुरुआत की गयी। मुख्यमंत्री योगी ने सरल परिवहन हेल्पलाइन 149 की भी शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत

आलमबाग डिपो की संगीता गौतम व गोल्डी मौर्या और कैसरबाग डिपो की अंशिका गौतम को नियुक्ति पत्र दिया गया। योगी ने आठ डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, 16 इलेक्ट्रिक बस, एक रेट्रोफिट इलेक्ट्रिक बस, 10 सीएनजी बस, दो एसी बस, 20 टाटा बस, 43 आयशर सहित '400 बीएस- सिक्स' बसों और सड़क सुरक्षा के लिए 11 इंटरसेप्टर को हरी झंडी दिखाई। मुख्यमंत्री ने पीपीपी मोड के तहत बनने वाले सात बस स्टेशनों का शिलान्यास किया।

बयान के मुताबिक, पीपीपी मॉडल पर निर्मित होने वाले बस स्टेशनों में जीरो रोड (प्रयागराज), सिविल लाइंस (प्रयागराज), गाजियाबाद ओल्ड (गाजियाबाद), रसूलाबाद (अलीगढ़), चारबाग (लखनऊ), अयोध्या धाम (अयोध्या), विभूति खंड गोमतीनगर (लखनऊ) शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में बच्चे का शव मिलने के बाद भीड़ के हमले में दो व्यक्तियों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के निश्चिंतपुर इलाके में एक बच्चे का शव मिलने के बाद शनिवार सुबह इलाके में तनाव उत्पन्न हो गया और भीड़ ने एक दम्पति को बच्चे की मौत में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में पीट पीट कर मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भीड़ ने कक्षा तीन के छात्र की हत्या के आरोपी दम्पति की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि लड़का स्वर्णाभ मंडल शुक्रवार दोपहर से लापता था और आज सुबह उसका शव पास के एक तालाब में मिला।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, लड़के का शव एक तिरपाल में लिपटा हुआ था। मृतक बच्चे के परिवार वालों ने बच्चे की हत्या का आरोप दम्पति पर लगाया। लड़के के परिजन समेत भीड़ ने आरोपी के घर पर धावा बोल दिया, तोड़फोड़ की और दम्पति पर हमला किया।'' उन्होंने बताया कि दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अधिकारी ने बताया, ''शुरुआती जांच में पता चला है कि लड़का शुक्रवार अपराह्न करीब तीन बजे इलाके के एक मैदान में खेलने के लिए घर से निकला था। जब वह घर नहीं लौटा, तो परिवार के सदस्यों ने उसकी तलाश शुरू की। उन्होंने बच्चे की गुमशुदगी की एक शिकायत दर्ज करायी। रात भर तलाश जारी रही।'' उन्होंने बताया कि बच्चे का शव तालाब से बरामद होने के बाद स्थानीय लोगों ने तालाब के पास रहने वाले आरोपी दम्पति के घर पर हमला कर दिया। अधिकारी ने कहा, ''आरोप है कि भीड़ उत्पल बिस्वास और सोमा बिस्वास के घर में घुस गई। घर में तोड़फोड़ करने की कोशिश की। घर के बगल में बिस्वास दंपत्ति के स्वामित्व वाले जूट के गोदाम में आग लगा दी गई। दम्पति को उनके घर से घसीटकर बाहर निकाला गया और उनकी बेरहमी से पिटायी की गई। पुलिस की एक टीम उन्हें अस्पताल ले गई, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।''

उन्होंने बताया कि लड़के के परिवार का बिस्वास परिवार के साथ विवाद था। उन्होंने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए इलाके में पुलिस की कई टीम तैनात की गई हैं। उन्होंने बताया कि इलाके के कई निवासियों पर हिंसक हमले में शामिल होने का आरोप है। उन्होंने कहा, ''फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। हमने किसी को गिरफ्तार नहीं किया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।''

मां की स्वीकारोक्ति के बावजूद संतान का डीएनए परीक्षण मातृत्व का अपमान : उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक। उड़ीसा उच्च न्यायालय ने कहा है कि मां की स्वीकारोक्ति के बावजूद संतान का डीएनए परीक्षण कराने का निर्देश देना मातृत्व का अपमान और कानून के विरुद्ध होगा। यह टिप्पणी उड़ीसा उच्च न्यायालय के एकल पीठ के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.पी. राउत्रे ने की, जिन्होंने संपत्ति बंटवारे के एक मामले में डीएनए परीक्षण का निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी। याचिका में, निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें एक व्यक्ति के डीएनए परीक्षण का निर्देश देने से इनकार कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति राउत्रे ने एक सितंबर को अपने फैसले में कहा, ''मैं इस मामले में व्यक्ति का डीएनए परीक्षण कराने के लिए इसे उपयुक्त मामला नहीं मानता। याचिकाकर्ता के अनुरोध को अस्वीकार करने संबंधी निचली अदालत के आदेश में कोई त्रुटि नहीं दिखती। परिणामस्वरूप, याचिका खारिज की जाती है।'' अदालत ने यह भी कहा कि संबंधित व्यक्ति अब 58 वर्ष का हो चुका है। इसलिए निचली अदालत ने सही कहा है कि इस स्तर पर डीएनए परीक्षण का निर्देश कोई सार्थक परिणाम नहीं देगा। व्यक्ति की मां ने अपनी जिरह में कहा कि वह तुता बुदुला से उसका पुत्र है।

इसके अलावा, विपक्षी पक्ष को दिवंगत तुता बुदुला की पत्नी मानने में कोई आपत्ति नहीं है, न ही उसे महिला और बुदुला के बीच वैध वैवाहिक संबंध रहने पर कोई ऐतराज है।

अदालत ने कहा कि विपक्षी पक्ष, तीसरा व्यक्ति होने के नाते अधिकृत नहीं है और ऐसी स्थिति में, मां की स्वीकारोक्ति के बावजूद संतान का डीएनए परीक्षण कराने का निर्देश देना उसके मातृत्व का अपमान होगा और साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 में उल्लिखित कानून के विरुद्ध होगा।

11 वर्ष की 'डबल इंजन' सरकार ने बिहार के दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद किया : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार की मौजूदा स्थिति को लेकर नीतीश कुमार और केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीते 20 वर्ष की नीतीश-मोदी सरकार और 11 वर्ष की 'डबल इंजन' सरकार ने राज्य के दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद कर दिया है। उन्होंने जनता से कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता वोट मांगने आएं तो उनसे यह सवाल जरूर पूछें बिहार सबसे गरीब राज्य क्यों है? बिहार में महिलाएं असुरक्षित क्यों हैं? बिहार में इतना अपराध और भ्रष्टाचार क्यों है? बिहार में इतना बेजोरगारी और पलायन क्यों है?

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को लेकर

भी राज्य सरकार को घेरते हुए कहा 20 साल पहले पटना विश्वविद्यालय में 70 वोकेशनल पाठ्यक्रम संचालित होते थे लेकिन राजग सरकार के 20 साल में इनमें से 56 पाठ्यक्रम बंद कर दिये गए। तेजस्वी यादव ने राजग नेता द्वारा बार-बार जंगलराज का उल्लेख किए जाने पर पलटवार करते हुए सवाल किया, हे मंगलराज वाले। छात्र-युवा विरोधी 'डबल इंजन' पर सवार शिक्षा के दुश्मनों, क्या आप जानते हैं कि ये वोकेशनल पाठ्यक्रम किन कारणों से बंद हुए हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि नियमित शिक्षकों की कमी, प्रयोगशालाओं व पुस्तकालयों का अभाव, पुस्तकों व लाइब्रेरियन की अनुपलब्धता, बुनियादी सुविधाओं की कमी, महंगी फीस, प्लेसमेंट प्रकोष्ठ की व्यवस्था न होना, जगह की कमी और सरकारी अनुदान की कमी जैसे कारणों से 108 वर्ष पुराने पटना विश्वविद्यालय को राजग सरकार ने बर्बाद कर दिया। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस (राजग) सरकार ने युवाओं को नौकरी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के बजाय नफरत, झूठ, हिंसा और हिंदू-मुस्लिम की राजनीति परोसनी शुरू कर दी।

उन्होंने आरोप लगाया कि नतीजतन बिहार में शिक्षा व्यवस्था और रोजगार पूरी तरह चौपट हो गए हैं। तेजस्वी ने जनता से दो पीढ़ियों को बर्बाद करने वाली इस भ्रष्ट राजग सरकार को हटाकर बिहार को नई सोच, नए विजन और नई दृष्टि वाली गतिशील, प्रगतिशील व जीवंत युवा सरकार चुनने की अपील की।

जीएसटी में बदलाव लोगों के लिए 'सुधार', हर परिवार को होगा लाभ : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव लोगों के लिए सुधार है' और इस कदम से देश के हर परिवार को लाभ होगा। साथ ही इस कदम से खपत को बढ़ावा मिलेगा और कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था को गति मिलगी। सीतारमण ने पीटीआई-भाषा को दिये साक्षात्कार में यह भी कहा कि हम दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को देने के लिए उद्योगों से बातचीत कर रहे हैं और उनका रुख सकारात्मक है।

उन्होंने कहा कि वह स्वयं 22 सितंबर से (जीएसटी दरों में कटौती के लागू होने की तिथि) इस बात पर विशेष नजर रखेंगी कि दरों में कटौती का लाभ लोगों को मिले। केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों की भागीदारी वाली जीएसटी परिषद ने बुधवार को जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी। दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के तहत टेलीविजन एवं एयर कंडीशनर जैसे उपभोक्ता वस्तुओं के अलावा खानपान और रोजमर्रा के कई सामानों समेत करीब 400 वस्तुओं पर दरें कम की गयी हैं।

सीतारमण ने कहा, ''जीएसटी में व्यापक बदलाव लोगों के लिए सुधार है और इस कदम से देश के 140 करोड़ लोगों पर सकारात्मक असर होगा। हर परिवार को इससे लाभ होगा। गरीब से गरीब लोग भी कुछ-न-कुछ खरीदते हैं, उन पर भी दरों में कटौती का सकारात्मक असर होगा।''

सीतारमण ने कहा कि यह सुधार 2017 में एक राष्ट्र, एक कर व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा सुधार है और इसे आम आदमी को ध्यान में रखकर किया गया है। रोजमर्रा की जरूरत की हर वस्तु पर लगने वाले कर की कड़ी समीक्षा की गई है और ज्यादातर मामलों में दरों में भारी कमी आई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आज लोग 100 रुपये में जो चीजें खरीद रहे हैं, उतने ही पैसे में वे अब वस्तु का ज्यादा हिस्सा खरीद सकते हैं। सीतारमण ने कहा, इसलिए दरों में इस कमी से मासिक घरेलू राशन और चिकित्सा बिलों में कमी आएगी। साथ ही यह पुरानी कार की जगह नई कार लेने, रेफ्रिजरेटर या वॉशिंग मशीन जैसी पुरानी वस्तुओं की जगह नई चीजें खरीदने जैसी आकांक्षाओं को भी पूरा करने में मददगार होगी। उन्होंने यह भी कहा, यह केवल दर में कटौती का मामला नहीं है बल्कि कंपनियों के लिए भी चीजें आसान होंगी। चाहे रिफंड का मामला हो या फिर अनुपालन का या पंजीकरण का, उनके लिए चीजें और सुगम होंगी।

सीतारमण ने कहा, ''एक बार यह प्रक्रिया पूरी हो जाने पर, 90 प्रतिशत रिफंड स्वतः ही निश्चित समय के भीतर क्लियर हो जाएंगे। साथ ही तीन दिनों के भीतर कंपनियां सफलतापूर्वक अपना पंजीकरण करा सकेंगी।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए, इसका लोगों और कंपनियों पर, विशेष रूप से छोटे उद्यमों, किसानों पर चौतरफा सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। क्योंकि वे जो उपकरण खरीदेंगे, वे जो कीटनाशक खरीदेंगे, वे सभी सस्ते होने जा रहे हैं।''

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''जीएसटी परिषद में इस बात को लेकर आम सहमति थी कि लोगों को लाभ मिलना चाहिए... हालांकि कुछ राज्य जरूर राजस्व को लेकर चिंतित थे। लेकिन इस बात को लेकर एक सहमति थी कि दरों में कटौती से सभी को फायदा होना चाहिए।''

सीतारमण ने जीएसटी सुधारों को समर्थन देने के लिए राज्यों के वित्त मंत्रियों को पत्र लिखकर आभार जताया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों को पत्र लिखकर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव को लागू करने में उनके समर्थन और सक्रिय भूमिका के लिए आभार व्यक्त किया है। सीतारमण ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा कि राज्यों ने कर दरों में बदलाव के प्रस्ताव पर अपने विचार रखे, लेकिन अंततः इस बात पर सहमत हुए कि जीएसटी दरों में कटौती आम आदमी के हित में है। इसी तर्क के आधार पर इस सप्ताह की शुरुआत में जीएसटी परिषद की बैठक में जीएसटी दरों में कटौती का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। जीएसटी परिषद की बैठक में तीन सितंबर को जीएसटी में व्यापक सुधारों पर सहमति बनी थी। इसके तहत मक्खन से लेकर चॉकलेट, शैंपू से लेकर ट्रैक्टर और एयर कंडीशनर तक कई उत्पादों की दरें कम हुई हैं। सिगरेट, तंबाकू जैसे अहितकर वस्तुओं समेत जीएसटी के दायरे में आने वाली सभी वस्तुओं पर नई दरें 22 सितंबर से लागू होंगी।

जीएसटी परिषद की अध्यक्षता सीतारमण कर रही हैं और इसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''कल मैंने राज्यों के वित्त मंत्रियों को पत्र लिखकर उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि आप कितनी भी गहन चर्चा और तर्क कर सकते हैं, लेकिन अंततः परिषद ने इस अवसर पर कदम उठाया और देश के सभी लोगों को राहत प्रदान की। और मैं इस सद्भावपूर्ण रुख के लिए आभारी हूं। इसलिए मैंने यह पत्र लिखा।''

सीतारमण ने कहा कि परिषद का काम 'वाकई उल्लेखनीय' रहा है। केंद्र के प्रस्तुत प्रस्ताव पर चर्चा के लिए परिषद की तीन सितंबर से दो दिन की बैठक होनी थी, लेकिन दिन भर चली लंबी बैठक के बाद पहले ही दिन इसे मंजूरी दे दी गई।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से वस्तुओं के दाम कम होंगे और खपत बढ़ेगी और इससे राजस्व बढ़ने के साथ कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा।

एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हम दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को देने के लिए उद्योगों से बातचीत कर रहे हैं। उनकी प्रतिक्रिया सकारात्मक है। कई कंपनियों ने दाम में कटौती की घोषणा भी की है। सीतारमण ने कहा, 22 सितंबर से मेरा पूरा ध्यान इसी पर होगा कि लोगों का इसका लाभ मिले। उन्होंने मुद्रास्फीति के बारे में कि कहा, यह पहले से ही काफी नियंत्रण में है और जीएसटी में यह कटौती वास्तव में लोगों को अधिक उपभोग के लिए प्रेरित करेगी। इसमें कोई संदेह नहीं है।

शम्भु हजारीमल सोनी ने उपन्यास की तरह लिखी संक्षिप्त रामायण

मुंबई। धार्मिक लेखक-पत्रकार शंभु हजारीमल सोनी ने वाल्मीकि रामायण पर आधारित संक्षिप्त रामायण नामक पुस्तक लिखी है। गद्य में रचित इस संक्षिप्त रामायण में दोहा, सोरठा व चौपाइयां नहीं हैं बल्कि यह एक उपन्यास की तरह है। एक मनुष्य से भगवान बनने की राम कथा को शम्भु सोनी ने सरल शब्दों में रचा है। पुस्तक का प्रकाशन वरिष्ठ लेखिका व समाजसेविका किरण खेरूका ने किया है। ज्ञातव्य है कि वरिष्ठ धार्मिक लेखक व फिल्मकार शम्भु सोनी ने गौवंश संवर्धन के उद्देश्य से टीवी सीरियल गौमाता व खाटू श्याम का लेखन, निर्माण व निर्देशन भी किया। अब वे निर्माता रामानुज भट्टड़ के धारावाहिक गऊ गुणों की खान का भी लेखन निर्देशन कर रहे हैं। इसका शीर्षक गीत भी उन्होंने ही लिखा है जिसके बोल हैं - दुआ भी देती है, दवा भी देती है, पंचगव्य देती तू महान है।वैतरणी भी तू ही पार कराती गौमाता तू गुणों की खान है।

चीन के मुकाबले भारत में बहुत कम है चाय अनुसंधान निधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। चीन के मुकाबले भारत में चाय की फसल को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान निधि बहुत कम है। चाय उद्योग के एक निकाय ने यह दावा करते हुए कहा कि भारत इस पर सालाना 30 करोड़ रुपये खर्च करता है, जबकि चीन का निवेश 110 करोड़ रुपये से अधिक है।

चाय अनुसंधान संघ (टीआरए) की चेयरपर्सन नयनतारा पालचौधरी ने कहा कि उनकी संस्था को गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इस संकट से निपटने के लिए उद्योग जगत से अधिक भागीदारी की अपील की। पालचौधरी ने शुक्रवार को टीआरए की वार्षिक आम बैठक में कहा, ''50 प्रतिशत से अधिक सदस्य संस्थाएं अपना बकाया योगदान नहीं दे रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप धन की कमी है।'' उन्होंने कहा, ''दुनिया में चाय का सबसे बड़ा उत्पादक चीन इस फसल पर सालाना 110 करोड़ रुपये खर्च करता है, जबकि भारत केवल 30 करोड़ रुपये का निवेश करता है। भारत में अनुसंधान निधि में बड़ी कमी है।'' उन्होंने कहा कि सरकार और बड़े बागानों को चाय अनुसंधान में अपना योगदान बढ़ाना चाहिए।

राजा रघुवंशी हत्याकांड : मेघालय पुलिस ने सोनम सहित आठ लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। मेघालय पुलिस ने इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की इस साल हुई हत्या के मामले में उनकी पत्नी सोनम सहित आठ लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रघुवंशी की इस साल मई में अपनी पत्नी के साथ हनीमून पर मेघालय आने पर की गई थी।

पूर्वी खासी पवर्तीय जिले के पुलिस अधीक्षक विवेक सिएम ने एक बयान में कहा कि पुलिस ने शुक्रवार को सोहरा उप-संभाग के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में 790 पृष्ठों का आरोपपत्र दाखिल किया, जिसमें भौतिक साक्ष्य और अन्य दस्तावेज संलग्न हैं। पुलिस के अनुसार, मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम सोहरा जाने से पहले 21 मई को शिलांग आए थे। उसने बताया कि 26 मई को दंपति के लापता होने की सूचना मिली, जिसके बाद सोहरा पुलिस, विशेष अभियान दल (एसओटी), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), पर्वतारोही समूहों और स्थानीय ग्रामीणों

द्वारा बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया। कई दिनों की गहन खोज के बाद, राजा रघुवंशी का शव दो जून को सोहरा में प्रसिद्ध वेई सावडोंग झरने के पास, उम्बलई के अरलियांग रियात कुनोन्ग्रिम में एक गहरी खाई से बरामद किया गया। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत सोहरा पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। मेघालय पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्वी खासी पर्वतीय जिला के पुलिस अधीक्षक (शहर) हर्बर्ट खारकोंगोर के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों के एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी जांच में खुलासा हुआ कि सोनम का राज कुशवाहा के साथ संबंध था। दोनों ने तीन भाड़े के हमलावरों के साथ मिलकर हनीमून के बहाने रघुवंशी की हत्या की साजिश रची थी।

पुलिस ने बताया कि हत्या आकाश सिंह राजपूत, विशाल सिंह चौहान और आनंद कुर्मी ने सोनम की मौजूदगी में घाटी में की थी। जांच के एक सप्ताह के भीतर ही सोनम सहित पांच आरोपियों के मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में होने की जानकारी मिली। पुलिस द्वारा जारी बयान के मुताबिक, सोनम रघुवंशी, राज कुशवाहा, आकाश सिंह राजपूत, विशाल सिंह चौहान और आनंद कुर्मी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या), 238 (ए) (साक्ष्य मिटाना) और 61(2) (आपराधिक साजिश) के तहत आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, बाद में तीन और आरोपियों - लोकेन्द्र तोमर, बल्ला अहिरवार और शिलोम जेम्स को साक्ष्य नष्ट करने में उनकी कथित भूमिका के लिए ग्वालियर, शाडोरा और देवास से गिरफ्तार किया गया।

इंजीनियर रशीद ने अदालत से उप राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने की अनुमति मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बारामूला से लोकसभा सदस्य इंजीनियर रशीद ने नौ सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान की अनुमति के लिए दिल्ली की एक अदालत का रुख किया है। अदालत के सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह शनिवार को आदेश पारित कर सकते हैं। अदालत ने इससे पहले रशीद को संसद के मानसून सत्र में हिस्सा लेने के लिए 24 जुलाई से चार अगस्त तक हिरासत पैरोल दी थी।

रशीद (58) को 2017 के आतंकी वित्तपोषण मामले में गैरकानूनी गतिविधियां

(रोकथाम) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने गिरफ्तार किया था। वह 2019 से दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद हैं। रशीद ने 2024 लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला को बारामूला से हराया था। उनपर जम्मू-कश्मीर में अलगाववादियों और आतंकवादी समूहों का वित्तपोषण का आरोप है।

सुविचार

सफलता उन्हीं को मिलती है जो अपने सपनों को हकीकत बनाने का साहस रखते हैं।

ट्वीट

जयपुर में राजस्थान की प्रसिद्ध पिचवाई कला पर आधारित 'दर्शनम आर्ट फेस्टिवल' में सम्मिलित होकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। नाथद्वारा से जुड़ी पिचवाई कला में नाथद्वारा मंदिर के श्री कृष्ण भगवान के विभिन्न स्वरूपों, उनकी लीलाओं और विभिन्न धार्मिक प्रसंगों को बहुत ही सुन्दर तरीके से कपड़े पर चित्रित करके उकेरा जाता है, अपनी अलग ही विशिष्ट पहचान रखती है।।

-दीया कुमारी

हम भारत को एक सशक्त, समर्थ और समृद्ध देश बनाएंगे। आज 11 साल बाद पीछे मुड़कर देखें तो एक तरफ गरीब लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की गईं, जिसका असर 30 करोड़ लोगों के गरीबी रेखा से बाहर आने के रूप में देखा जा सकता है... हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और तीसरी बनने की ओर अग्रसर हैं, जीएसटी का क्रियान्वयन इस यात्रा में एक मील का पत्थर रहा... अर्थव्यवस्था मजबूत हुई... और जीएसटी परिषद ने इसे और सरल बनाया है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

सुधीर केवलिया

फोन नं. 9413279217

.....लौट के आना

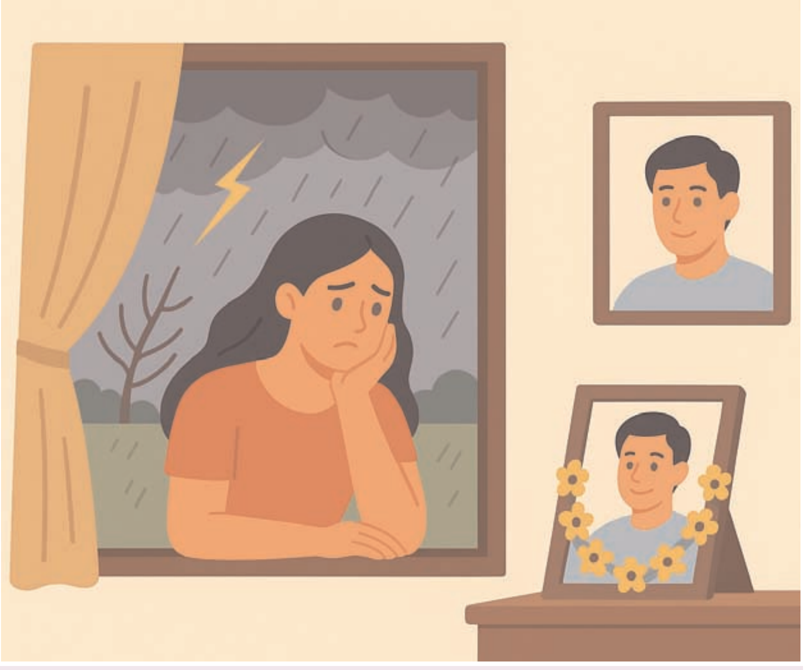

हमेशा हंसते मुस्कुराते रहने वाले अमर को पता ही नहीं चला कि वह एक गंभीर और असाध्य बीमारी का शिकार हो गया था। अमर की स्थिति बेहतर होने का डॉक्टर परिवारजनों को दिलासा देते रहे। अमर का इलाज होने के समय बीमारी अपना विकराल रुप लेकर उसके शरीर में फैल रही थी। एक गठीले बदन का अमर सिकुड़ सा गया था। बीतते वक़्त के साथ उसने आखिरी के कुछ दिनों से बोलना कर दिया था। यह संकेत वाकई चिंता बढ़ाने वाले थे। और वही हुआ जिसका अंदेशा था। एक दिन सुबह अमर ने अपनों को रोता बिलखता छोड़कर इस नश्वर दुनिया से विदाई ले ली। अपने और परिवार के भविष्य को लेकर बनाया उसके सपनों का घरौंदा वक़्त ने पलक झपकते ही तोड़ दिया। अमर अपने पीछे उस घरौंदे के बिखरे हुए तिनकों को समेटने का जिम्मा सरला के कंधों पर डाल गया।

सुबह से हो रही बेमौसम बारिश और तूफान ने मौसम का मिजाज बिगाड़ रखा था। मैं अपने कमरे में पत्नी के साथ बैठा चाय का आनन्द लेते हुए अखबार पढ़ रहा था। तभी मेरे मोबाइल फोन पर आ रही कॉल की घन्टी ने मेरा ध्यान उस ओर किया। वह कॉल हमारे वार्ड पार्षद की थी। उन्होने शाम को पांच बजे कॉलोनी के कम्युनिटी हॉल में होने वाली संगठन द्वारा हमारे दिवंगत साथी अमर की श्रद्धांजलि सभा के बारे में बताया। कुछ दिन पहले हमारे संगठन के सदस्य अमर का चालीस वर्ष की आयु में निधन हो गया था। अमर उम्र में मुझसे बहुत छोटा था। लेकिन उसने शालीनता और आदर के दायरे में रहते हुए मुझसे कई मर्तबा अपनी पारिवारिक, व्यक्तिगत और व्यावसायिक बातें साझा की थीं। वह मुझे अपना बड़ा भाई मानता था और हमेशा आदरपूर्वक बात किया करता था।

बारिश और तूफान रुकने के बाद शाम को पांच बजे मैं अपनी पत्नी को सरला के पास उसके घर पर छोड़कर कम्यूनिटी हॉल पहुंच गया। हॉल में एक दीवार पर फ्लेक्स पर बनी अमर के मुस्कुराते हुए चेहरे की तस्वीर और उसके नीचे मेज पर रखी अमर की फोटोफ्रेम में फोटो देखकर मेरी आंखें नम हो गईं। मेरी आँखों से आंसू ढुलक गए। मुझसे अक्सर मिलते रहने वाला हर वक़्त एक हंसता मुस्कुराता चेहरा लिए जिंदादिल अमर कुछ महीनों में ही यादों में बदल पुष्प माला लगी अपनी तस्वीर के साथ फोटोफ्रेम में आ गया था। मुझसे यह सब देखा नही जा रहा और बर्दाश्त नहीं हो रहा था। किसी तरह अपनी भावनाओं पर काबू रखते हुए मैं हॉल में जाकर बैठ गया। वहां गीता पाठ के वाचन में गीता के आठवें अध्याय की विस्तार से चर्चा करते हुए जीवन की सच्चाई बताई गई थी। संगठन के कुछ पदाधिकारियों और मैंने अमर के साथ अपने संस्मरण सुनाए।

सभी वक्ताओं ने अमर के असमय और छोटी उम्र में निधन को परिवार और संगठन के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। संगठन के स्तर पर दिवंगत अमर के परिवार की आर्थिक सहायता और सुरक्षा की बात पुरजोर तरीके से कही गई। इस पर निर्णय संगठन के उच्च पदाधिकारियों को शीघ्र लेना चाहिए। एक प्राइवेट कम्पनी में काम करने वाले व्यक्ति की कम उम्र में मृत्यु के बाद उसके आश्रितों को कम्पनी से कितने रुपये मिलते हैं इसका अंदाजा वहां मौजूद सभी लोगों को था। हॉल में मौजूद सभी लोगों की अमर के फोटोफ्रेम पर पुष्प अर्पित करते हुए आंखें नम थीं। श्रद्धांजलि सभा के बाद सभी अपने-अपने गंतव्य की ओर चले गए। यह श्रद्धांजलि सभा भी अन्य श्रद्धांजलि सभा की ही तरह थी। जिसमें दिवंगत व्यक्ति के परिवारजनों को हौसला बंधाते हुए कहा जाता है कि दुःख की घड़ी में और भविष्य में सब लोग उनके साथ हैं। जबकि अधिकतर ऐसा होते मैंने कभी नहीं देखा। जीवन की सच्चाई यही है कि दिवंगत व्यक्ति के परिवारजनों को ही यह दुःख बर्दाश्त करना और खुद को संभालना पड़ता है। अंग्रेजी में कहते हैं ओनली वीअरर नोज़ व्हेर दी शू पिंचेज़.....। उस समय सहानुभूति दिखाने और जताने लिए सिम्पैथी..... के लिए बहुत लोग आते हैं।

शहर में आई बारिश और तूफान तो दोपहर बाद थम गए थे। लेकिन कम्यूनिटी हॉल से सरला के घर की ओर जाते हुए मैं सोचने लगा कि सरला के जीवन में आया तूफान कब थमेगा यह किसी को पता नहीं था? जिस तूफान ने उनके परिवार रुपी वृक्ष को जड़ तक हिला दिया था। इससे अनिश्चितता से भरा भविष्य अमर के परिवार की अश्रुपूरित आंखों के सामने आकर खड़ा हो गया था। उनके हंसते खेलते परिवार से खुशियां अचानक से न जाने कहां गायब हो गई थीं। यह सब सोचते हुए मैं अमर के बारे में जितना जानता था उन यादों में खो गया।

कॉलेज में साथ पढ़ते हुए मध्यमवर्गीय परिवार के सदस्य आकर्षक व्यक्तित्व के धनी अमर और सरला की एक दूसरे से दोस्ती कब प्यार में बदल गई उन्हें पता ही नहीं चला। गुजरते वक़्त के साथ उन्होंने दोनों परिवारों की सहमति से विवाह कर लिया। कुछ समय पश्चात अमर के संयुक्त परिवार के बढ़ने के कारण उसके सदस्य अलग-अलग रहने लग गए थे। परिवार में सबसे छोटा अमर अपने माता-पिता और सरला के साथ खुशी से ज़िंदगी गुजार रहा था। अमर एक प्राइवेट कम्पनी में नौकरी करता था। सरला के शिक्षित होने के बावजूद अमर ने बिना जोर दबाव दिए उसकी इच्छानुसार उसे गृहणी रहने दिया। समय अपनी रफ्तार से चल रहा था। इस दौरान उनके संतान के रुप में एक लड़का और एक लड़की पैदा हुए। अपने बच्चों के भविष्य को लेकर उन्होने भी सपने बुने थे कि आने वाले समय में लड़के को इंजीनियर लड़की को डॉक्टर बनाएंगे। लेकिन भविष्य के गर्भ में क्या छुपा होता है यह किसी को नहीं पता होता। ऐसा ही उनके साथ भी हुआ था।

अपनी प्राइवेट नौकरी में रहते हुए अमर एक राजनीतिक संगठन से जुड़ गया था। इसके साथ परिवार के प्रति दायित्व को निभाने में उसमें कोई कमी नहीं आई थी। परिवार की हर जिम्मेदारी को उसने बखूबी निभाया। वह संगठन और परिवार में अपना बेहतर तरीके से तालमेल बनाकर चलता था। उसकी ऊर्जा, कार्य के प्रति समझ और समर्पण ने जल्द ही संगठन के पदाधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। जिससे उसे संगठन में महत्वपूर्ण कार्य और पद की जिम्मेदारी दी गई। अमर ने निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए बिना मौसम और दिन रात देखे शहर की अपनी इकाई को स्थानीय, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उसकी कुशल नेतृत्व क्षमता के कारण उसमें आने वाले समय मे संगठन में भविष्य में बड़ी जिम्मेदारी संभालने की संभावना नज़र आने लगी थी। उसने अपनी इकाई में संगठन के हर कार्य को करने के लिए एक जुझारू और समर्पित टीम तैयार कर दी थी। इस टीम में उससे वरिष्ठ बहुत सदस्य शामिल थे। वह एक अच्छा वक्ता ही नहीं श्रोता भी था।स्पष्टवादिता उसके चरित्र की खूबी थी। बहुत कम समय में ही वह संगठन के लिए महत्वपूर्ण हो गया था। इसे उसके प्रतिद्वंद्वी भी भलीभांति समझते थे।

लोगों की मदद करने में अमर को विशेष आनन्द की अनुभूति होती थी। संगठन से किसी व्यक्ति का कोई भी कार्य हो, भले ही किसी अन्य राजनीतिक संगठन का हो , वह उसे कराने में पूरी रुचि दिखाता था। पिछले वर्ष आयोध्या में राम लला के दर्शन के लिए रेलवे द्वारा चलाई गई विशेष ट्रेन से अमर संगठन के कई साथियों के साथ वहां सपरिवार गया था। मैं भी सपरिवार उनके साथ आयोध्या गया था। रास्ते में अपने समूह के साथियों की ही नहीं बल्कि ट्रेन के उस डिब्बे में मौजूद अन्य मुसाफिरों का भी वह ध्यान रखते हुए गया था। आयोध्या में एक सड़क किनारे नंगे पैर बैठे एक जरूरतमंद व्यक्ति को अपने रुपयों से न केवल सुन्दर चप्पल दिलाई बल्कि उसके कहने पर एक अच्छे होटल में खाना भी खिलाया। जीव सेवा उसका परम् धर्म था।

अमर पर्यावरण प्रेमी और पशु प्रेमी भी था। इनके प्रति उसका स्नेह देखते ही बनता था। हमारी कॉलोनी में प्रवेश के मुख्य मार्ग के दोनों ओर लगे वृक्षों की कतारें अमर की मेहनत का ही परिणाम है। वर्षों तक नियम से उसने इन्हे सींचा और संवारा। जिस समय अधिकतर लोग अपने घरों में सो रहे होते थे वह अपने स्कूटर पर पानी का पाइप लेकर प्रातः पांच बजे से वहां लगे टँकी के नल से इन्हे पानी देता और जरूरत पड़ने पर खाद की व्यवस्था करता। आज उन वृक्षों के नीचे खड़े होकर जो लोग अपनी फोटो खिंचवाते हैं वो इसके पीछे अकेले अमर की मेहनत को नहीं जानते। संगठन द्वारा आयोजित पर्यावरण सम्बंधित हर कार्य में उसने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और आम जनता को पर्यावरण के प्रति जागरूक भी किया।

अमर के घर के बाहर अक्सर कुत्तों का जमावड़ा रहता था। ये किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते थे। घर के बाहर एक टोकरे में सुबह और शाम रोटियां और अन्य खाद्य सामग्री रखी होती थी। वहां मौजूद कुत्तों का यह भोजन होता था। शायद यही एक कारण था कि उस गली के कुत्ते पौष्टिक खाना खाकर हृष्टपुष्ट थे।यह सारी व्यवस्था अमर ही करता था। प्रदेश में कोरोना काल में फैली गायों की बीमारी के समय अमर ने दिन रात एक कर अपनी टीम के साथ गायों को समुचित उपचार उपलब्ध करवाकर उन गायों की जान बचाई थी। उसके इन प्रयासों की जितनी भी प्रसंशा की जाए वह कम है। कुछ महीने पहले हुई पिता की मृत्यु ने अमर पर गम्भीर प्रभाव डाला था।

हमेशा हंसते मुस्कुराते रहने वाले अमर को पता ही नहीं चला कि वह एक गंभीर और असाध्य बीमारी का शिकार हो गया था। अमर की स्थिति बेहतर होने का डॉक्टर परिवारजनों को दिलासा देते रहे। अमर का इलाज होने के समय बीमारी अपना विकराल रुप लेकर उसके शरीर में फैल रही थी। एक गठीले बदन का अमर सिकुड़ सा गया था। बीतते वक़्त के साथ उसने आखिरी के कुछ दिनों से बोलना कर दिया था। यह संकेत वाकई चिंता बढ़ाने वाले थे। और वही हुआ जिसका अंदेशा था। एक दिन सुबह अमर ने अपनों को रोता बिलखता छोड़कर इस नश्वर दुनिया से विदाई ले ली। अपने और परिवार के भविष्य को लेकर बनाया उसके सपनों का घरौंदा वक़्त ने पलक झपकते ही तोड़ दिया। अमर अपने पीछे उस घरौंदे के बिखरे हुए तिनकों को समेटने का जिम्मा सरला के कंधों पर डाल गया। वाकई वक़्त ने यह बेहद क्रूर चाल चली थी। जिसने अमर को संभलने का मौका ही नहीं दिया। स्थितियां और परिस्थितियां यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि काश , दुनिया से जाने वाला लौट के आ पाता......। कम्युनिटी हॉल में लाया गया अमर के फोटोफ्रेम का कांच इधर - उधर लाने ले जाने में टूट गया था। मैंने संगठन के एक कार्यकर्ता को उसे नया लगवाकर अमर के घर देकर आने का कहा। इस संसार से अमर का जीवंत रिश्ता टूट चुका था। मैं उसके परिवार को और टूटने का अहसास नहीं कराना चाहता था।

अचानक अपनी पत्नी की आवाज सुनकर मैं वर्तमान में लौटा तो देखा कि मैं सरला के घर तक पहुंच गया था। अपने घर आने के बाद मेरी पत्नी ने बताया कि अमर के जाने के बाद सरला अपनी बुजुर्ग सास और छोटे दो बच्चों के साथ भविष्य की अनिश्चितता के रहते घर पर एक तरह से असहाय सी हो गई है। उसे समझ ही नहीं आ रहा कि कल क्या और कैसे होगा? उसके पीहर वाले उसका सहारा बने हुए हैं। उसे घर में हर जगह अमर के होने का अहसास हो रहा है। अमर के साथ उसके बिताए हर पल की यादें वहां चस्पा हैं। वह जब भी अपने कमरे की खड़की खोलती है तो बाहर उसे दूर - दूर तक अंधेरा ही नज़र आता है। खिड़की से दूर तक देखते और खोजते हुए वह अमर के साथ बिताए लम्हों में खो सी जाती है। शून्य में ताकती हुई उसकी आंखें मानो कह रही हों ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना..... । घर के जिस आंगन में कभी खुशियों के फूल खिला करते थे वहां की मिट्टी आज अचानक बंजर हो गई थी। अमर के न रहने का दुःख सरला को ताउम्र सालता रहेगा। अमर की यादों के सहारे उसके सपनों को साकार करने के लिए सकारात्मक तरीके से सरला को हर यथासंभव प्रयास करने होंगे।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

अगले बरस तू जल्दी आ...

'मेकल अनंत चतुर्दशी थी। गणेश चतुर्थी के दिन गणेश जी के विग्रह की प्रतिष्ठा से आरम्भ गणेशोत्सव विसर्जन के साथ ही कल समाप्त हो गया। यूँ देखें तो सृजन, प्रतिष्ठा और विसर्जन के माध्यम से जीवन की सम्पूर्ण यात्रा हमारे अनेक त्योहारों में अंतर्निहित है। आगमन से गमन तक का पर्व है, गणेशोत्सव।

घर में अतिथि का आगमन एक सामान्य घटना है। अतिथि के आने का दूसरा पहलू है कि वह लौट जाएगा। भूलोक भी प्रकृति का घर है। हम सब अतिथि हैं। मर्त्यलोक में देह धारण करके जो आया, उसका लौटना अवश्यंभावी है। कीर्ति तो अक्षुण्ण रह सकती है, अमर हो सकती है पर देह का नष्ट होना अनिवार्य है।

नश्वर जगत में प्रदत्त समय का सदुपयोग करना, अपनी भूमिका का समुचित निर्वहन करना मनुष्य से अपेक्षित है। समय बीतने के बाद पश्चाताप के अलावा कुछ शेष नहीं रह जाता।

किसी राज्य में राजा द्वारा आयोजित संगीतोत्सव में भाग लेने के लिए एक युवा सितारवादक को आमंत्रित किया गया। सितारवादक के लिए अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का यह स्वर्णिम अवसर था। उसने विचार किया कि वह ऐसा सितार बजाएगा जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाएँगे और राजा उससे प्रसन्न होकर बहुत सारा धन देगा।

संगीतोत्सव आरम्भ हुआ। हर कलाकार की प्रस्तुति के लिए समय निर्धारित था। समय पूरा होने पर पर्दा गिर जाता और फिर नया कलाकार आता। सितारवादक की प्रस्तुति का समय आया। वह मंच पर पहुँचा। वादन आरम्भ करने से पहले सितार की ट्यूनिंग के लिए उसकी खूँटियाँ मरोड़ कर सुर मिलाने लगा। इस प्रक्रिया में ऐसा खोया कि उसे प्रदत्त समय समाप्त हो गया और पर्दा गिरा दिया गया। सितारवादक को वादन के बिना ही लौटना पड़ा। अवसर तो मिला था पर प्रस्तुति नहीं दे पाया, तैयारी में ही रह गया। डॉ. हरिवंशराय बच्चन के शब्दों में लिखूँ तो 'जीवन सब बीत गया, जीने की तैयारी में।'

समय रहते वह सितार बजा लेता तो संभव था कि उसकी सितार के सुर वर्षों तक याद किए जाते और देहातीत होकर भी अपनी प्रतिभा के बल पर वह चिरंजीवी हो जाता।

अष्ट चिरंजीवी व्यक्तित्वों में से एक हैं महर्षि वेदव्यास। उन्हें ज्ञान का मूर्तिमान स्वरूप माना गया है। मान्यता है कि महर्षि ने भगवान गणेश को दस दिन तक निरंतर महाभारत की कथा सुनाई और श्री गणेश उसे लिपिबद्ध करते गए। तत्पश्चात महर्षि ने पाया कि श्री गणेश के शरीर का तापमान बहुत अधिक बढ़ गया है। महर्षि ने गणेश जी को समीप के एक सरोवर में स्नान कराया ताकि उनके शरीर का तापमान सामान्य हो सके। यह काल गणेशोत्सव के रूप में मनाया जाता है और उत्कर्ष के रूप में विग्रह का जल में विसर्जन होता है।

श्री गणेश बुद्धि के देवता हैं। स्वाभाविक है कि उनके लिए मनाया जानेवाला उत्सव ज्ञान की प्रतीति कराने वाला हो। महर्षि वेदव्यास इसी शाश्वत ज्ञान के अविनाशी प्रसारक हैं। ज्ञान के प्रचार-प्रसार में लगे साधकों में महर्षि का यही जाग्रत अंश देखने को मिलता है।

सृजन, प्रतिष्ठा और विसर्जन के माध्यम से गणेशोत्सव, जीवनचक्र की प्रतिकृति बनकर सामने आता है। स्मरण रहे, 'अगले बरस तू जल्दी आ' आगमन से गमन की सतत और अखंड यात्रा का घोष है। काया धारण करने वाला हर जीव इसी अटल यात्रा का पथिक है। ..इति।

बोध कथा

गरीब की मदद

दूसरों की मदद करना इंसानियत का सबसे बड़ा काम है। ये कहानी एक गरीब की मदद की है।

शहर के एक कोने में राजू नाम का लड़का रहता था। वो मेहनत-मज़दूरी करता था और जो थोड़े-बहुत पैसे कमाता, उससे अपने परिवार का खर्च चलाता था। एक सर्द रात को वो काम से लौट रहा था। रास्ते में उसने देखा कि एक बूढ़ा आदमी सड़क किनारे ठंड से काँप रहा है। उसके पास न गर्म कपड़े थे, न कंबल। राजू का दिल पसीज गया। उसकी जेब में सिर्फ 100 रुपये थे, जो उसने दिनभर की मेहनत से कमाए थे। उसने सोचा, अगर मैं इसे खाना खिला दूँ तो ये बूढ़ा ठंड में मर जाएगा।

राजू बाज़ार गया और अपने सारे पैसे से एक मोटा कंबल खरीदा। वो बूढ़े के पास लौटा और कंबल उसे दे दिया। बूढ़ा बहुत खुश हुआ। उसने कंबल ओढ़ा और कहा, बेटा, तूने मेरी जान बचाई। भगवान तुझे बहुत सुख दे। राजू मुस्कुराया और घर चला गया। उस रात उसे भूखा सोना पड़ा, लेकिन उसे सुकून था कि उसने किसी की मदद की। कुछ दिन बाद गाँव में हलचल हुई। पता चला कि वो बूढ़ा कोई साधारण इंसान नहीं, बल्कि एक अमीर ज़मींदार था। वो अपनी असली हालत देखने के लिए गरीब बनकर घूम रहा था।

ज़मींदार ने राजू को ढूँढा और अपने पास बुलाया। उसने कहा, तूने बिना कुछ जाने मेरी मदद की। अब मैं तेरी मदद करूँगा। उसने राजू को अपने खेतों में नौकरी दे दी। राजू की मेहनत से वो अच्छा पैसा कमाने लगा और अपने परिवार की सारी परेशानियाँ दूर कर दीं। उसने अपने पैसों से अपने छोटे भाई-बहनों को स्कूल भेजा। गाँव वाले उसकी तारीफ करते थे और कहते, राजू ने साबित कर दिया कि अच्छाई कभी बेकार नहीं जाती।

वीर गाथा

मेजर त्रिपतप्रीत सिंह: भारत मां के सैनिक की शहादत का लिया बदला, आतंकी को उसके अड्डे में भून डाला

मेजर त्रिपतप्रीत सिंह का जन्म पंजाब के गुरदासपुर जिले के धारीवाल कलां गांव में हुआ था। माता दलजीत कौर और पिता हरदयाल सिंह के बेटे त्रिपतप्रीत बचपन से ही बहुत साहसी स्वाभाव के रहे हैं। उनके परिवार के कई सदस्य सशस्त्र बलों में सेवाएं दे चुके हैं। इससे उन्हें सेना में जाने की प्रेरणा मिली।

हरदयाल सिंह भी चाहते थे कि उनका बेटा सैनिक बनकर देश की सेवा करे। उन्होंने त्रिपतप्रीत का दाखिला सैनिक स्कूल में कराया। बाद में एनडीए के टेस्ट में सफलता ने सेना में जाने का मार्ग प्रशस्त किया।

त्रिपतप्रीत को 34 आरआर में शामिल किया गया था। इसके बाद उन्हें जम्मू-कश्मीर भेज दिया गया था। वहां उन्होंने कई सैन्य अभियानों में भाग लेकर आतंकवादियों का खात्मा करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

4 जनवरी, 2024 को सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि शोपियां जिले में एक खतरनाक आतंकवादी छिपा हुआ है। सूचना का विश्लेषण करने के बाद त्रिपतप्रीत को उस अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई। वे अपने जवानों के साथ उस इलाके में गए।

मेजर और जवानों को अपनी ओर आते देखकर आतंकवादी बुरी तरह घबराया। उसने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी थी। उस समय त्रिपतप्रीत पर दोहरी जिम्मेदारी थी कि आतंकवादी का खात्मा करना है, साथ ही अपने जवानों को किसी भी तरह के नुकसान से बचाना है।

त्रिपतप्रीत अपनी जान की बाजी लगाकर आगे बढ़े और उस जगह के बहुत निकट पहुंच गए, जहां से आतंकवादी गोलीबारी कर रहा था। उन्होंने एक करीबी मुकाबले में उसे ढेर कर दिया। बाद में शिनाख्त करने पर पता चला कि वह तो 'ए' श्रेणी का एक कुख्यात आतंकवादी था।

उस अभियान में हमारे किसी भी जवान को कोई क्षति नहीं पहुंची थी। मेजर त्रिपतप्रीत सिंह ने कहा था कि 'हमने एक टॉप आतंकवादी कमांडर को ढेर कर वर्ष 2017 में लेफ्टिनेंट उमर फैयाज़ की हत्या का बदला लिया। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है।' मेजर त्रिपतप्रीत सिंह को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सैयारा ने पूरे किए 50 दिन

मुंबई/एजेन्सी। यशराज फिल्मस (वाईआरएफ) के बैनर तले बनी फिल्म 'सैयारा' ने सिनेमाघरों में प्रदर्शन के 50 दिन पूरे कर लिये हैं। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी और वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी निर्मित सैयारा, 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुयी है।इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा की मुख्य भूमिका है। अहान और अनीता की रोमांटिक केमिस्ट्री को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की।ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर भारतीय बाजार में 330 करोड़ की कमाई की है। फिल्म सैयारा के रिलीज के 50 दिन पूरे हो गये हैं।

फिल्म सैयारा के 50 दिन पूरे होने की खुशी में अनीत पड्डा और अहान पांडे ने कुछ लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज के साथ दोनों ने लिखा, आज उस फिल्म के 50 दिन पूरे हो गये हैं जिसने हमें दुनिया के सामने लाया और दुनिया को हमारे सामने। जो प्यार हमें मिला वो प्रकृति के इस नियम को सच साबित करता है कि अगर आप करिश्में में विश्वास रखते हैं, यदि आप उसे महसूस करते हैं, तो दुनिया भी इसे आप के साथ महससू करने लग जाती है।हमारे लिए ये एक ऐसा समय है जब हम बस अपनी आंखें बंद करते हैं और हमें सिर्फ आप ही नजर आते हैं।हमारी तरह फिल्म को बिना जज किए देखने के लिए शुक्रिया. हमें एक अवसर देने के लिए शुक्रिया। हमें ये एहसास दिलाने के लिए शुक्रिया कि ईमानदारी और प्यार दुनिया में किसी भी और चीज से ज्यादा पावरफुल होते हैं, यही एक ऐसी खूबसूरत चीज है जिसे हम आप लोगों के साथ आगे लेकर जाना चाहेंगे।

'सम्पूर्णा' की कलाकार संदीप्ता सेन ने ज़ीनत अमान संग मुलाक़ात को बताया यादगार पल

मुंबई/एजेन्सी। स्टार प्लस के शो 'सम्पूर्णा' की संदीप्ता सेन ने ज़ीनत अमान के साथ मुलाक़ात को यादगार पल बताया है। स्टार प्लस, अपने दर्शकों के लिए एक और दिलचस्प शो 'संपूर्णा' लेकर आ रहा है। इस शो का ट्रेलर और कोई नहीं बल्कि बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने लॉन्च किया है। 'सम्पूर्णा' में मिट्टी का किरदार निभा रही संदीप्ता सेन, ने बताया ज़ीनत अमान से मिलकर वह सच में बेहद इमोशनल हो गई। उन्होंने कहा कि जीनत अमान जी इतनी बड़ी बॉलीवुड स्टार हैं, और उनके साथ बातचीत करने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत खास था। उन्होंने मेरे साथ न सिर्फ अपने अनुभव शेयर किए बल्कि मुझे खास टिप्स और गाइडेंस भी दिए। यह बहुत अच्छा लगता है जब किसी से इतनी गर्मजोशी और समझदारी वाली बातें सीखने मिलती है। ऐसे पल हमेशा आपके साथ रहते हैं और मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मुझे उनसे सीखने का मौका मिला। उनके शब्दों ने मुझे हमेशा खुद को आगे बढ़ाने और इस सफर में ज़मीन से जुड़े रहने की प्रेरणा दी है। शो संपूर्णा, 8 सितंबर से, हर दिन शाम 7:30 बजे, सिर्फ स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

होम्बले फिल्म्स ने कंतारा : चैप्टर 1 से दमदार झलक शेयर की

मुंबई/एजेन्सी। होम्बले फिल्म्स ने अपनी आने वाली फिल्म कंतारा: चैप्टर 1 से दमदार झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। होम्बले फिल्म्स की सबसे ज्यादा इंतेज़ार की जाने वाली फिल्म कंतारा: चैप्टर 1 इस साल की सबसे बड़ी रिलीज में से एक मानी जा रही है। कंतारा, वर्ष 2022 में प्रदर्शित हुयी थी। यह फिल्म साल की सबसे सफल फिल्म बनने के साथ बॉक्स ऑफिस पर स्लीपर हिट बन गई। अब दर्शक बेसब्री से इसके प्रीक्वल को सिल्वर स्क्रीन पर देखने का इंतज़ार कर रहे हैं।

मेकर्स ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर कंतारा: चैप्टर 1 की एक झलक शेयर की है, जिसमें ऋषभ शेट्टी का इंटेंस अवतार देखने लायक है। इस पोस्ट के ज़रिए मेकर्स ने फिल्म की रिलीज में बचे सिर्फ 27 दिनों का काउंटडाउन शुरू कर दिया है और साथ ही एक दिलचस्प अपडेट आने की तरफ भी इशारा किया है ,बीते समय की पवित्र गूंज 02 अक्टूबर 2025 को पूरी दुनिया में गूंजेगी। होम्बले फिल्म्स की कंतारा: चैप्टर 1 सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है।होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने 'कंतारा: चैप्टर 1' के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज़्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़-खाबड़ इलाके में 45-50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है।यह फिल्म 02 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी।

राम मंदिर पूरे देश की आस्था का प्रतिबिंब: ले. कर्नल प्रसाद पुरोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। महाराष्ट्र के मालेगांव विस्फोट मामले में हाल ही में बरी हुए लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर में दर्शन किये और मंदिर को 'पूरे देश की आस्था का प्रतिबिंब' करार दिया।

लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, अयोध्या में बहुत ही पावन माहौल है। राम मंदिर की भव्यता, जो मैंने पहले कभी सुनी या तस्वीरों में देखी थी, उससे कहीं बढ़कर है। यह पूरे देश की आस्था का प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा, जिस तरह से श्रद्धालु आ रहे हैं, जो स्वयंसेवक काम कर रहे हैं, उनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। राम मंदिर में भारत की सच्ची भावना दिखाई देती है, जहां हर क्षेत्र के लोग दिखाई देते हैं।

पुरोहित ने कहा, मैं पहले भी काम के सिलसिले में अयोध्या आ चुका हूं। उस समय यहां

ज्यादा विकास नहीं हुआ था। आज अयोध्या मानो 'राजमाता' जैसी लगती है।

उन्होंने कहा, जिस तरह लोग गहरी आस्था के साथ रामलला के दर्शन के लिए आते हैं, उसी तरह हम भी उसी समर्पण भाव से राष्ट्र की सेवा करते हैं। आम लोगों और सेवा करने वालों में कोई अंतर नहीं है, और भावनाएं एक जैसी हैं।

मुंबई की एक विशेष अदालत ने 31 जुलाई को मालेगांव विस्फोट मामले के सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया था।

यह फैसला 29 सितंबर, 2008 को मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल में विस्फोटक लगाकर धमाका करने के मामले में 17 साल बाद आया था।

विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई थी और 101 अन्य लोग घायल हुए थे।

इस मामले में बरी होने वाले अन्य लोगों में भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर, मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे।

अनुभव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत के पहले फ़ॉर्मूला 1 ड्राइवर नारायण कार्तिकेयन, लेगो इंडिया के बच्चों और परिवारों के लिए अपनी तरह के पहले इंटरैक्टिव अनुभव के दौरान ब्रिगेड गेटवे स्थित ओरियन मॉल में युवा प्रशंसकों से बातचीत करते हुए। लेगो इंडिया और फ़ॉर्मूला 1 के सहयोग से ओरियन मॉल्स द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम मोटरस्पोर्ट्स के रोमांच को लेगो खेल की रचनात्मकता के साथ जोड़ता है और 14 सितंबर तक चलेगा।

ईरान ने 1979 की क्रांति के पीड़ितों की सामूहिक कब्र को पार्किंग स्थल में तब्दील करना शुरू किया

दुबई। ईरान की 1979 इस्लामिक क्रांति के बाद हुए नरसंहार के हजारों पीड़ितों को तेहरान के जिस कब्रिस्तान में सामूहिक रूप से दफनाया गया था उसे अब पार्किंग स्थल में तब्दील किया जा रहा है। तेहरान स्थित विशाल बेहेश्त-ए-ज़हरा कब्रिस्तान का लॉट 41 पार्किंग स्थल में तब्दील किया जा रहा है। प्लैनेट लैब्स पीबीसी की तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि उस स्थान पर पार्किंग स्थल बनाया जा रहा है, जहां ईरान के धार्मिक शासन के विरोधियों को गोलियों से और फांसी दिये जान से मारे जाने पर सामूहिक रूप से दफनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत ने 2024 में ईरान द्वारा कब्रिस्तानों को नष्ट करने को, अपने कार्यों पर कानूनी जवाबदेही से बचने के लिए संभावित सबूत के रूप में काम कर सकने वाले डेटा को छिपाने या मिटाने'' के प्रयास के रूप में वर्णित किया था। एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय में लेक्चरर और इन कब्रगाहों पर अनुसंधान करने वाले शाहीन नासिरी ने कहा कि दूसरों के साथ उनके शोध से पता चलता है कि लॉट 41 में 5,000 से 7,000 लोगों को दफनाया गया है ये कब्रें उन लोगों की हैं जिन्हें ईरान ''धार्मिक रूप से अपराधी'' मानता है, चाहे वे कम्युनिस्ट हों, उग्रवादी हों, राजतंत्रवादी हों या अन्य हों।

इजराइल ने भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके गाजा के निवासियों को शहर खाली करने को कहा

दीर अल बलाह/एपी। इजराइल की सेना ने भुखमरी की कगार पर पहले ही पहुंच चुके गाजा शहर के फलस्तीनियों को शनिवार को निर्देश दिया कि वे शहर को खाली कर दक्षिण स्थित मानवीय क्षेत्र में चले जाएं। इजराइल का यह निर्देश इलाके पर कब्जा करने के लिए अपने अभियान का विस्तार किये जाने के बीच आया, जिसमें ऊंची इमारतों को भी निशाना बनाया जा सकता है। करीब 10 लाख आबादी वाले इस शहर के कुछ हिस्सों को पहले से ही 'रेड जोन' माना जाता है, जहां अपेक्षित आक्रमण से पहले ही लोगों को खाली करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। सहायता समूहों ने चेतावनी दी है कि गाजा शहर से बड़े पैमाने पर लोगों को निकालने से मानवीय संकट की स्थिति और विकराल हो सकती है। खाद्य संकट के मद्देनजर दुनिया के अग्रणी संगठन ने शहर को अकालग्रस्त घोषित कर दिया है।

76 वर्ष के हुए राकेश रोशन

मुंबई/एजेन्सी। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार-अभिनेता राकेश रोशन आज 76 वर्ष के हो गये।

राकेश रोशन का जन्म 06 सितम्बर, 1949 को मुंबई मे एक पंजाबी परिवार में हुआ। उनके पिता रोशन लाल नागरथ हिंदी सिनेमा के मशहूर संगीतकार थे, वहीं राकेश रोशन की मां आयरा रोशन बंगाली सिंगर थीं। राकेश रोशन ने 1970 में 'घर-घर की कहानी' से अपने फिल्म करियर की शुरुआत की। नायक के तौर पर उनकी पहली फिल्म 1971 में प्रदर्शित फिल्म 'पराया धन' थी जो सुपरहिट रही।इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय किया, लेकिन खास सफल नहीं रहे। अभिनय में अपेक्षित कामयाबी हासिल नहीं कर पाने के बाद उन्होंने 1980 में 'आपके दीवाने' फिल्म के जरिए निर्माण के क्षेत्र में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने 'कामचोर' (1982) फिल्म बनाई। इन दोनों फिल्मों में उन्होंने अभिनय भी किया।

के. विश्वनाथ के निर्देशन में बनी फिल्म 'कामचोर' के सुपरहिट होने के बाद राकेश रोशन को लगा कि 'के' अक्षर उनके लिए 'लकी' है और उन्होंने अपनी आगामी सभी फिल्मों के नाम 'के' अक्षर से रखने शुरू कर दिए।इस अक्षर से शुरू होने वाली उनकी फिल्में हैं 'खुदगर्ज', 'खून भरी मांग', 'काला बाजार', 'किशन कन्हैया', 'कोयला', 'करण अर्जुन', 'कहो ना प्यार है', 'कोई मिल गया', 'क्रिश', 'क्रेजी4', 'किंग अंकल', 'काइट्स' आदि। इनमें खुदगर्ज, खून भरी मांग, करण अर्जुन, कहो ना प्यार है, कोई मिल गया, और क्रिश, किश 3 ,काबिल सुपरहिट साबित हुईं। वर्ष 2000 में रिलीज हुई 'कहो ना प्यार है' वह फिल्म थी, जिसके जरिए राकेश रोशन ने पुत्र ऋतिक रोशन को फिल्म इंडस्ट्री में लांच किया। यह फिल्म उनकी सबसे बड़ी हिट फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म से जुड़ा यह तथ्य भी रोचक है कि सर्वाधिक पुरस्कार पाने वाली बॉलीवुड फिल्म होने पर इसे लिम्का बुक ऑफ वल्र्ड रिकॉर्ड में भी शामिल किया गया है। 2003 में प्रदर्शित 'कोई मिल गया' फिल्म उनके निर्माण और निर्देशन में बनी महत्वपूर्ण फिल्मों में शुमार की जाती है।इसी तरह इस फिल्म का सीक्वल क्रिश और तीसरा संस्करण क्रिश 3 भी उनकी बेहद कामयाब फिल्मों में से एक हैं। जिसने छोटे बच्चों से लेकर बड़े दर्शकों तक का भरपूर मनोरंजन किया था। राकेश रोशन चार बार फिल्म फेयर पुरस्कार हासिल कर चुके हैं। कहो ना प्यार है और कोई मिल गया के लिए उन्हें निर्माता-निर्देशक का फिल्म फेयर

क्षति — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर भूमि पर खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। वहीं होशियारपुर जिले में टांडा और मुकेरियां उप-विभागों के निचले इलाकों में भारी नुकसान हुआ है, जहां धान, गन्ना और मक्का जैसी फसलों को भारी क्षति हुई है।

सोते समय 'मस्तिष्क की सफाई' कैसे मनोभ्रंश के जोखिम को कम कर सकती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/द कन्वरसेशन। मस्तिष्क की अपनी अपशिष्ट निपटान प्रणाली होती है - जिसे 'ग्लाइम्फैटिक' प्रणाली के नाम से जाना जाता है। सोते समय यह अधिक सक्रिय मानी जाती है। नींद में खलल इस अपशिष्ट निपटान प्रणाली में बाधा डाल सकता है और मस्तिष्क से अपशिष्ट उत्पादों या विषाक्त पदार्थों की निकासी को धीमा कर सकता है।

शोधकर्ताओं का मानना है कि नींद की कमी के कारण इन विषाक्त पदार्थों का जमाव किसी व्यक्ति में डिमेंशिया (मनोभ्रंश) के खतरे को बढ़ा सकता है। 'डिमेंशिया' एक मस्तिष्क संबंधी स्थिति है जो याददाश्त, सोचने और तर्क करने की क्षमता को इतना गंभीर रूप से प्रभावित करती है कि दैनिक जीवन और गतिविधियों में समस्याएं आने लगती हैं। इस बात पर अभी भी बहस जारी है कि यह 'ग्लाइम्फैटिक' प्रणाली मनुष्यों में कैसे काम करती है और अब तक ज्यादातर शोध चूहों पर ही किया गया है। लेकिन इससे यह आशंका बढ़ जाती है कि बेहतर नींद मानव मस्तिष्क से इन विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद कर सकती है, जिससे मनोभ्रंश का खतरा कम हो सकता है।

अपशिष्ट क्यों मायने रखता है? शरीर की सभी कोशिकाएं अपशिष्ट उत्पन्न करती हैं। मस्तिष्क के बाहर, लसिका तंत्र इस अपशिष्ट को कोशिकाओं के बीच के स्थानों से लसिका वाहिकाओं के एक नेटवर्क के माध्यम से रक्त तक

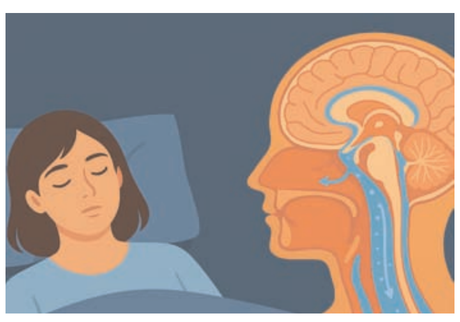

पहुंचाता है। लेकिन मस्तिष्क में कोई लसिका वाहिकाएं नहीं होतीं। और लगभग 12 साल पहले तक, मस्तिष्क अपने अपशिष्ट पदार्थों को कैसे साफ करता है, यह एक रहस्य था। तभी वैज्ञानिकों ने ''ग्लाइम्फैटिक'' प्रणाली की खोज की और बताया कि यह मस्तिष्क के विषाक्त पदार्थों को ''कैसे बाहर निकालता'' है। आइए शुरुआत करते हैं मस्तिष्कमेरु द्रव से, जो मस्तिष्क और मेरुमज्जा के चारों ओर होता है। यह द्रव मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं के आसपास के क्षेत्रों में प्रवाहित होता है।

इसके बाद यह मस्तिष्क की कोशिकाओं के बीच के स्थानों में प्रवेश करता है, अपशिष्ट को एकत्रित करता है, फिर उसे बड़ी जल निकासी नसों के माध्यम से मस्तिष्क से बाहर ले जाता है। वैज्ञानिकों ने चूहों पर यह दिखाया कि यह 'ग्लाइम्फैटिक' प्रणाली सबसे अधिक सक्रिय थी - जिसमें अपशिष्ट उत्पादों का निष्कासन बढ़ गया था - नींद के दौरान।

लेकिन हाल में, चूहों पर किए गए एक अन्य अध्ययन से बिल्कुल उलट परिणाम सामने आए हैं - यह दर्शाता है कि 'ग्लाइम्फैटिक' तंत्र दिन के समय अधिक सक्रिय होता है।

शोधकर्ता इस बात पर बहस कर रहे हैं कि इन निष्कर्षों की व्याख्या क्या हो सकती है। इसलिए हम अभी यह पूरी तरह से नहीं कह सकते कि ग्लाइम्फैटिक प्रणाली, चूहों या इंसानों में, मस्तिष्क से विषाक्त पदार्थों को कैसे साफ करती है, जो अन्यथा मनोभ्रंश के खतरे को बढ़ा सकते हैं। हमें इसके बारे में और अध्ययन करना बाकी है। हम जानते हैं कि अच्छी नींद हमारे लिए, खासकर हमारे मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए बेहतर होती है। हम सभी नींद की कमी के हमारे मस्तिष्क की कार्य करने की क्षमता पर पड़ने वाले अल्पकालिक प्रभावों को जानते हैं, और हम यह भी जानते हैं कि नींद याददाश्त बढ़ाने में मदद करती है। यह बात कम स्पष्ट है कि लंबे समय तक नींद में व्यवधान, उदाहरण के लिए यदि किसी को नींद संबंधी विकार है, तो इसका मस्तिष्क से एबी' को साफ करने की शरीर की क्षमता पर क्या प्रभाव पड़ता है।

अनिद्रा तब होती है जब किसी व्यक्ति को सोने में और/या सोते रहने में कठिनाई होती है। जब यह लंबे समय तक होता है, तो मनोभ्रंश का खतरा भी बढ़ जाता है।

हालांकि, हम यह नहीं जानते कि अनिद्रा के इलाज का मनोभ्रंश से जुड़े विषाक्त पदार्थों पर क्या प्रभाव पड़ता है। अभी भी यह निश्चित रूप से कहना जल्दबाजी होगी कि निद्रा विकार का उपचार करने से मस्तिष्क में विषाक्त पदार्थों के स्तर में कमी के कारण मनोभ्रंश का खतरा कम हो जाता है।

'सेना प्रमुख मुनीर अपनी सत्ता मजबूत करने के लिए अत्याचार का ले रहे सहारा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पर नये सिरे से हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह अपने शासन को सुदृढ़ करने के लिए अत्याचार का सहारा ले रहे हैं।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मुख्य संरक्षक खान ने मुनीर पर अघोषित मार्शल लॉ लागू करने, पिछले फरवरी के चुनाव में लोगों का जनादेश चुराकर शहबाज शरीफ के नेतृत्व में कठपुतली सरकार स्थापित करने और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर अत्याचार करने का आरोप लगाया है। खान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज आसिम मुनीर अपने शासन को सुदृढ करने के लिए पाकिस्तान के लोगों पर अत्याचार कर रहे हैं, जिससे देश कमजोर हो रहा है।''

क्रिकेट से राजनीति में आए 72 वर्षीय खान कई मामलों में दो साल से अधिक समय से जेल में हैं। उन्होंने कहा, ''जिन लोगों (मुनीर एंड कंपनी) ने जनादेश चुराया है, वे भयभीत हैं। इसी भय की वजह से हमारे खिलाफ अत्याचार बढ़ रहा है।'' खान ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा

बीबी को ''एकांत कारावास'' में रखा जा रहा है और ''केवल इस उम्मीद में मानसिक यातना दी जा रही है कि मैं टूट जाऊंगा और अपनी विचारधारा को त्याग दूंगा''।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''मुझे तोड़ने की कोशिश का असली मकसद लोगों की आवाज को दबाना है।'' उन्होंने आगे कहा कि यह वही तरीका है जो जनरल याह्या खान ने 1971 में ढाका हारने से पहले अपनाया था। वह पूर्व सेना प्रमुख जनरल याह्या खान का संदर्भ दे रहे थे, जिनके शासन में पूर्वी पाकिस्तान में गृहयुद्ध हुआ, जिसके परिणामस्वरूप एक स्वतंत्र राज्य - बांग्लादेश का उदय हुआ। उन्होंने कहा, ''1971 और आज के बीच एकमात्र अंतर यह है कि अब लोग ज़्यादा जागरूक हैं। सोशल मीडिया ने सभी तथ्यों को जनता के सामने उजागर कर दिया है और लोगों ने अत्याचार के खिलाफ अधिकारों के लिए खड़ा होना सीख लिया है।'' पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''यही कारण है कि यह दमनकारी व्यवस्था जल्द ही समाप्त हो जाएगी। लोगों की आवाज सुनने का समय आ गया है।''

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीवन जीने के लिए गीता एक महान मंत्र है। व्यक्ति को अपने बाहर नहीं अपितु अपने अंतरमन में जीना चाहिए और बदलाव भी अंदर ही करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्संग ही प्रभु प्राप्ति का सबसे आसान तरीका व सर्वोत्तम मार्ग है इसलिए सत्संग जरुर करना चाहिए, सत्संग से तत्काल आनंद, शाश्वत सुख व शांति की प्राप्ति होती है।

जोखिम उठाए बिना जीवन में सफलता प्राप्त करना मुश्किल : पृथ्वीराज कोठारी

'जीतो ज़ेवर एक्सपो एवं ब्राइडल स्टोरी' में लोगों ने जाने सफलता के रहस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन नॉर्थ चैप्टर, जीतो एपेक्स महिला विंग एवं जीतो केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में त्रिपुरा वासिनी सभागार में चल रहे 'जीतो जेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी' में ग्राहकों का अच्छा रेस्पांस देखा गया। नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने सभी का स्वागत किया। प्रदर्शनी के प्रथम दिन शाम को शून्य से शिखर तक नामक एक प्रेरणादायक सत्र का आयोजन किया गया जिसमे भारत के प्रसिद्ध व्यवसायी एवं जीतो अपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी के शिखर तक पहुंचे व्यवसाय के सफर की प्रेरक कहानी की जानकारी दी। सत्र के प्रायोजक पी. टैक्स के प्रकाश सिंघवी का सम्मान किया गया। पैनल चर्चा का संचालन विमल कटारिया एवं चेतन मेहता ने किया, उन्होंने कोठारी से उनके शून्य से लेकर शिखर तक पहुंचने के सफर से संबंधित 42 प्रश्न पूछे। जवाब देते हुए कोठारी ने कहा कि जब तक जीवन में जोखिम नहीं लिया जाएगा तब तक एक उचित मुकाम हासिल होना संभव नहीं है। जीवन में अगर कोई खेल खेलना है तो कप्तान बनकर खेलना होगा अन्यथा पहचान के साथ सफलता भी छुपी रहेगी।

कार्यक्रम के एक अन्य सत्र में जीतो के सभी जोन का रेफरल संगम का आयोजन किया गया, यह विशेष नेटवर्किंग प्लेटफ़ॉर्म भारतभर से आए बिजनेस लीडर्स को एक मंच पर जोड़ने का कार्य कर रहा है। इस संगम में विभिन्न ज़ोन से जुड़े उद्यमियों और प्रोफेशनल्स ने अपनी-अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए न केवल अपने व्यवसाय का परिचय दिया बल्कि आपसी सहयोग और नए अवसरों पर भी चर्चा की। जेबीएन 9 एक्स आयोजन जीतो बिज़नेस नेटवर्क द्वारा आयोजित और जीतो नॉर्थ चैप्टर द्वारा आयोजित पहला नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम भी था। जेबीएन के केकेजी जोन संयोजक तुषार बाफना एवं कार्यक्रम संयोजक मदन मुणोत ने कार्यक्रम की जानकारी दी। इसके बाद एक इंटरैक्टिव बिज़नेस नेटवर्किंग और रेफरल सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें 150 से अधिक व्यावसायिक उद्यमियों ने भाग लिया।

भगवान की भक्ति में आत्मा का कल्याण निश्चित : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि जो भक्त श्रवण को जीवन में आचरण में लाता है, उसे श्रावक कहते हैं। सुनने मात्र से कुछ नहीं होता है। जो सुनने के बाद जीवन में उतारने का प्रयास करता है, वहीं सच्चे मायने में भक्त कहलाता है। किसी श्रावक के घर में जन्म लेना ही पर्याप्त नहीं है। जन्म के साथ भक्ति करनी पड़ती है। भक्त बनना आसान नहीं होता है। भगवान की भक्ति करो और आत्मा को जीतो। दुनिया जितने से कुछ हासिल नहीं होगा। यहां जीता हुआ यहीं लूट जाएगा। लेकिन सच्ची भक्ति आत्मा का कल्याण कर देगी। सच्चे भक्त की बात को भगवान भी नहीं टालते हैं। जिसने जग की मायाजाल को समझ लिया वह संसार के मोह माया से निकल जाएगा। संसार में भटक कर एक दिन तो प्रभु के चरणों में ही जाना है। सेवा करने वालों की हर आशा पूरी होती है। पहले के समय में लोग जब सेवा की बात आती थी तो तुरंत तैयार हो जाते थे। साधु संतों की सेवा करके भी मानव अपने जीवन को तार सकता है।

संतश्री ने कहा कि जब किसी को कुछ देना ही है तो प्रेम से देना चाहिए। मनुष्य का मन ही मंदिर और मन ही पूजा होता है। मन में ही परमात्मा विराजमान होते हैं, इसके लिए भीतर की आंखों से देखने की जरूरत है। सारे तीर्थ और मंदिर सभी आत्मा के ही है। बस उसको करीब से देखने की जरूरत है। मनुष्य को बाहर भटकने के बजाय खुद के अंदर देखना चाहिए। अच्छा होने पर मनुष्य उसका श्रेय खुद लेता है और बुरा होने पर भगवान पर थोप देता है। यह सिर्फ मनुष्य अपनी अज्ञानता की वजह से ही करता है। जब मनुष्य खुद को समझ लेगा तो ऐसा बिल्कुल नहीं करेगा। संघ के कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

कर्म ही सुख-दुःख का असली कारण : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'अमीरी-गरीबी, यश-अपयश, स्वास्थ्य-रोग आदि सभी का मूल कारण हमारे ही संचित एवं उदित कर्म होते हैं। जब तक कर्म बंधन रहेगा, तब तक जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे।' यह विचार विल्सनगार्डन संघ में विराजित साध्वी आगमश्री ने 'भावना चंदन' की धारावाहिक श्रृंखला में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जैन दर्शन का मूल आधार यह है कि जीव अपने ही कर्मों के अनुसार सुख और दुःख का अनुभव करता है। मनुष्य यदि साधु-साध्वियों के संग में रहते हुए धर्म-संस्कारों को अपनाए, तो अपने जीवन को उत्तम दिशा प्रदान कर सकता है। जैन दर्शन जीवन की वास्तविक महानता को प्रकट करता है। सही मार्गदर्शन और आत्मसंयम द्वारा मनुष्य अपने कर्मबंधन को धीरे-धीरे क्षीण कर मोक्ष की ओर अग्रसर हो सकता है। साध्वी धैर्याश्री ने 'सुख विपाक सूत्र' के प्रथम अध्ययन का वर्णन करते हुए कहा कि यह सूत्र आत्मा के सुख-दुःख के अनुभव और कर्मों के फल को गहराई से समझाता है। इस आगम से अपने जीवन की परिस्थितियों को सही दृष्टि से देखने की प्रेरणा मिलती है। जीवन में विनम्रता, क्षमा और परोपकार जैसे गुण अपनाने से आत्मिक शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। प्रचार-प्रसार मंत्री प्रकाशचंद बाफना ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। मंत्री सज्जन बोहरा ने संचालन किया।

सीमंधरस्वामी प्रतिष्ठा महोत्सव व यात्रा संघ के उपलक्ष्य में मणिभद्र महापूजन संपन्न

जैन मित्र फाउंडेशन ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन मित्र फाउंडेशन एवं जैन दोस्ती फेडरेशन द्वारा राजाजीनगर स्थित खिंवसरा भवन में कुआलालम्पुर में सीमंधरस्वामी गौतमस्वामी 11 दिवसीय विश्व विहार तीर्थ संघ यात्रा के उपलक्ष्य में मणिभद्र महापूजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। आचार्य देवेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में विधिकारक मनोजभाई हरण द्वारा विधि विधान के साथ गौतम स्वामी महापूजन संपन्न कराया गया। यात्रा आयोजन के विशिष्ट संघपति विनयकुमार धीरजकुमार बच्छावत, गौतमस्वामी महापूजन लाभार्थी विवेक कुमार डागा का सम्मान किया गया। अतिथियों ने संघ यात्रियों को कुआलालंपुर में भेंट किए जाने वाले चांदी के मोमेंटो का अनावरण किया।

फेडरेशन की तरफ से अध्यक्ष मितेश सुराणा, मंत्री महेंद्र कटारिया एवं अन्य पदाधिकारी ने लाभार्थियों का सम्मान किया एवं संघ यात्रियों को आईडी कार्ड वितरित किए। मनोज भाई हरण ने यात्रा की जानकारी दी। मितेश सुराणा ने बताया कि मलेशिया में प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लेने के पक्षत संघ यात्रियों को मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड आदि के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण एवं शॉपिंग का आनंद लेने का अवसर भी मिलेगा। इस अवसर पर दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ संकटमोचन पार्श्व भैरव धाम अरसीकेरे के अध्यक्ष अशोककुमार सुराणा, दक्षिण शांतिसूरी धाम के अध्यक्ष सुरेशचंद वेद मुथा, महामंत्री विजयकुमार सुराणा एवं जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रभावशाली व्यक्तित्व की धनी थीं साध्वी सोहनकंवर : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने शनिवार को महासतीश्री सोहनकंवर जी की जयंती के प्रसंग पर उनके बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए उन्हें महान ज्ञानी ध्यानी, तपोमूर्ति महान संयमी साधिका बताया, जिन्होंने अपने ज्ञान, संयम और तप साधना के बल पर भगवान महावीर के जिन शासन की महती प्रभावना की। संतश्री ने कहा कि साध्वीश्री ने अल्प वय में ही संयम ग्रहण करके विविध तपश्चर्या से अपनी आत्मा को भावित करते हुए श्रमण संघ के विख्यात जैन गच्छ अमरगच्छ गुरु पुष्कर परम्परा की यश कीर्ति को चहुं ओर फैलाते हुए धर्म ध्वजा लहराई।

इतिहास मार्तण्ड महान् आचाय श्री हस्ती मल जी महाराज ने भी स्वयं ऐसी तप साधिका की उत्कृष्ट तप संयम साधना की भूरि भूरि सराहना की थी, जो श्रमण संघ की पहली प्रवर्तिनी महासाध्वी बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रारंभ में श्री शालिभद्र मुनिजी व साध्वी सुप्रभा जी ने महासती सोहन कंवर जी के गुणगान किए। इस अवसर पर धर्म सभा में ममता बागरेचा एवं ज्योति नलवाया ने मासखमण तप के पच्चक्खाण ग्रहण किए। चातुर्मास तप अनुमोदना के लाभार्थी महावीरचन्द श्रीपाल मेहता परिवार द्वारा उनका सम्मान किया गया। इस मौके पर बेंगलूरु सहित अनेक शहरों से श्रद्धालु उपस्थित थे।

गणेश उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बैटरायनपुरा में अरलीमरा 20वें गणेश उत्सव का आयोजन किया जिसमें अतिथि के रूप में मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत शामिल हुए जिन्होंने गणेश प्रतिमा के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया।

आरआर नगर में भिक्षु धम्मजागरण का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष में चरम महोत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार को तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा रात्रि कालीन धम्म जागरण का आयोजन किया। तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर ने सभी का स्वागत किया। साध्वी श्री बोधिप्रभाजी, वर्धमानयशाजी द्वारा एवं वॉइस ऑफ बेंगलूरु राजराजेश्वरी नगर से चयनीत प्रतिभागियों व तुलसी स्वर संगम के सदस्यों ने भजनों की प्रस्तुति दी। मंड्या से आई गायिका रितु दक ने भी भजन गाएं। मंत्री व संयोजक संदीप बैद ने संचालन किया। इस मौके पर संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। सरल पटवारी ने धन्यवाद दिया।

'ओम भिक्षु-जय भिक्षु' जाप आराधना में शामिल हुई 74 सदस्याएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा आचार्य भिक्षु त्रिशताब्दी के अवसर पर आचार्य के 223 वें चरमोत्सव के अवसर पर 'ओम भिक्षु-जय भिक्षु' जाप आराधना की गई, जिसमें प्रातः 6 बजे से जाप प्रारंभ हुआ जो शाम 7बजे तक निर्विघ्न गतिमान रहा। जाप के साथ सदस्याओं ने 74 सामायिक, त्याग, प्रत्याख्यान, माला पौषध, उपवास, बेला तप के साथ जप की आराधना की। साथ ही आचार्य तुलसी द्वारा रचित तेरापंथ प्रबोध को भी सलक्ष्य प्रयास कर कंटस्थ करने का संकल्प लिया। इस जाप आराधना में मंत्री सरिता जैन, जाप संयोजिका मोनिका गांधी सहित अनेक सदस्याओं का सहयोग था।

हनुमंतनगर में 'यशोगाथा भजन संध्या' में गूंजे आचार्य भिक्षु के जयकारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर द्वारा तेरापंथ के आद्यप्रवर्तक आचार्यश्री भिक्षु के 223वें चरमोत्सव के उपलक्ष में तेरापंथ भवन में महाश्रमण सुर संगम द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। तेयुप के अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। महाश्रमण सुर संगम सहप्रभारी सुरेश कोठारी, विक्रम पुगलिया, पूर्व अध्यक्ष अंकुश बैद, राहुल मेहता, संदीप बाबेल एवं कन्या मंडल,महिला मंडल द्वारा बाबा भिक्षु के अनेक मधुर भजनों द्वारा पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष गौतम दक, मंत्री हेमराज मांडोत, उपाध्यक्ष गौतम कातरेला, सह मंत्री महावीर देरासरिया, कोषाध्यक्ष नाथुलाल बोल्या सहित तेयुप के उपाध्यक्ष महावीर कटारिया व राजीव हीरावत, सहमंत्री गौतम चावत, कोषाध्यक्ष विजय कटारिया, संगठन मंत्री प्रणव धारीवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। 'अभ्यर्थना-एक क्रांति की 2.0' के अंतर्गत भिक्षु भक्तों ने उपवास किया और रात को ॐ भिक्षु जय भिक्षु का जाप भी किया गया। आभार तेयुप के मंत्री देवेंद्र आंचलिया ने ज्ञापित किया।

गुरु दर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस कर्नाटक विहार सेवा के सदस्य ने शनिवार को जैन स्थानक भवन, राजाजीनगर में विराजित साध्वी निर्मलाश्रीजी व नंदिनीजी आदि ने दर्शन किए व आशीर्वाद लिया। साध्वियों ने विहार सेवा के सदस्यों की निस्वार्थ सेवा की सराहना की। संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर जैन कान्फ्रेंस कर्नाटक प्रांतीय वैयावच्च सेवा के अध्यक्ष विनोद पगारिया, युवा शाखा मंत्री मनोज बोहरा, रमेश खाबिया, महेंद्र बगानी, वैयावच्च सेवा के महामंत्री प्रकाश बोहरा सहित अनेक सदस्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com